ALIVE NEWS

अलाईव न्यूज

Any Enquiry Cont. : 0129-4070270

खबर वही, जो जिंदा रहे!

Vol. 14 Issue No. 03 Faridabad (NCR) Saturday, 01-15 March 2025 Rate : 5 /- RNI No. : HARBIL/2012/45536 Postal Registration No. L-2/HR/FBD/296/24-26 Page : 8

एकता का महाकुंभ, युग परिवर्तन की आहट–पीएम नरेन्द्र मोदी

New Delhi/Agency

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने प्रयागराज में महाशिवरात्रि के साथ संपन्न महाकुंभ पर्व की दिव्यता और भव्यता पर अपने मन के उद्गार व्यक्त करते हुए इसे युग परिवर्तन की आहट बताया है।

उन्होंने महाकुंभ पर अपने विचार को लेखबद्ध करते हुए गुरुवार को कहा है कि सहस्राब्दियों से चली आ रही महाकुंभ की यह सनातन परंपरा राष्ट्र चेतना जागृत करने वाला पर्व है। मोदी ने लिखा, 'महाकुंभ संपन्न हुआ...एकता का महायज्ञ संपन्न हुआ। जब एक राष्ट्र की चेतना जागृत होती है, जब वो सैकड़ों साल की गुलामी की मानसिकता के सारे बंधनों को तोड़कर नव चैतन्य के साथ हवा में सांस लेने लगता है, तो ऐसा ही दृश्य उपस्थित होता है, जैसा हमने 13 जनवरी के बाद से प्रयागराज में एकता के महाकुंभ में देखा।'

प्रधानमंत्री ने कहा कि उन्होंने 22 जनवरी, 2024 को अयोध्या में राम मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा समारोह में मैंने देवभक्ति से देशभक्ति की बात कही थी। प्रयागराज में महाकुंभ के दौरान सभी देवी-देवता जुटे, संत-महात्मा जुटे, बाल-वृद्ध जुटे, महिलाएं-युवा जुटे, और हमने देश की जागृत चेतना का साक्षात्कार किया। उन्होंने कहा, 'यह महाकुंभ एकता का महाकुंभ था, जहां 140 करोड़ देशवासियों की आस्था एक साथ एक समय में इस एक पर्व से आकर जुड़ गई थीं।'

मोदी ने कहा, 'तीर्थराज प्रयाग के इसी क्षेत्र में एकता, समरसता और प्रेम का पवित्र क्षेत्र श्रृंगवेरपुर भी है, जहां प्रभु श्रीराम और निषादराज का मिलन हुआ था। उनके मिलन का वो प्रसंग भी हमारे इतिहास में भक्ति और सद्भाव के संगम की तरह ही है। प्रयागराज का ये तीर्थ आज भी हमें एकता और समरसता की वो प्रेरणा देता है। 'उन्होंने कहा कि बीते 45 दिनों में प्रतिदिन, मैंने देखा, कैसे देश के कोने-कोने से लाखों-लाख लोग संगम तट की ओर बढ़े जा रहे हैं। संगम पर स्नान की भावनाओं का ज्वार, लगातार बढ़ता ही रहा। हर श्रद्धालु बस एक ही धुन में था, संगम में स्नान! मां गंगा, यमुना, सरस्वती की त्रिवेणी हर श्रद्धालु को उमंग, ऊर्जा और विश्वास के भाव से भर रही थी।'

प्रधानमंत्री ने कहा कि प्रयागराज में हुआ महाकुंभ का ये आयोजन, आधुनिक युग के 'मैनेजमेंट प्रोफेशनल्स' के लिए, 'प्लानिंग' और 'पॉलिसी एक्सपर्ट्स' के लिए, नए सिरे से अध्ययन का विषय बना है। आज पूरे विश्व में इस तरह के विराट आयोजन की कोई दूसरी तुलना नहीं है, ऐसा कोई दूसरा उदाहरण भी नहीं है। उन्होंने कहा कि पूरी दुनिया हैरान है कि कैसे एक नदी तट पर, त्रिवेणी संगम पर इतनी बड़ी संख्या में करोड़ों की संख्या में लोग जुटे। इन करोड़ों लोगों को ना औपचारिक निमंत्रण था, ना ही किस समय पहुंचना है, उसकी कोई पूर्व सूचना थी। बस, लोग महाकुंभ चल पड़े और पवित्र संगम में डुबकी लगाकर धन्य हो गए।

मोदी ने कहा, 'मैं वो तस्वीरें भूल नहीं सकता, स्नान के बाद असीम आनंद और संतोष से भरे वो चेहरे नहीं भूल सकता। महिलाएं हों, बुजुर्ग हों, हमारे दिव्यांग जन हों, जिससे जो बन पड़ा, वो साधन करके संगम तक पहुंचा।' उन्होंने कहा, 'मेरे लिए ये देखना बहुत ही सुखद रहा कि बहुत बड़ी संख्या में भारत की आज की युवा पीढ़ी प्रयागराज पहुंची। भारत के युवाओं का इस तरह महाकुंभ में हिस्सा लेने के लिए आगे आना, एक बहुत बड़ा संदेश है। इससे ये विश्वास दृढ़ होता है कि भारत की युवा पीढ़ी हमारे संस्कार और संस्कृति की वाहक है और इसे आगे ले जाने का दायित्व समझती है और इसे लेकर संकल्पित भी है, समर्पित भी है।'

प्रधानमंत्री ने कहा कि इस महाकुंभ में प्रयागराज पहुंचने वालों की संख्या ने निश्चित तौर पर एक नया रिकॉर्ड बनाया है। अमेरिका की आबादी के करीब दोगुने लोगों ने एकता के महाकुंभ में हिस्सा लिया, डुबकी लगाई, लेकिन इस महाकुंभ में हमने ये भी देखा कि जो प्रयाग नहीं पहुंच पाए, वो भी इस आयोजन से भाव-विभोर होकर जुड़े। कुंभ से लौटते हुए जो लोग त्रिवेणी तीर्थ अपने साथ लेकर गए, उस जल की कुछ बूंदों ने भी करोड़ों भक्तों को कुंभ स्नान जैसा ही पुण्य दिया। कितने ही लोगों का कुंभ से वापसी के बाद गांव-गांव में जो सत्कार हुआ, जिस तरह पूरे समाज ने उनके प्रति श्रद्धा से सिर झुकाया, वो अविस्मरणीय है! उन्होंने कहा कि ये कुछ ऐसा हुआ है, जो बीते कुछ दशकों में पहले कभी नहीं हुआ। ये कुछ ऐसा हुआ है, जो आने वाली कई-कई शताब्दियों की एक नींव रख गया है।

मोदी ने कहा, 'आध्यात्मिक क्षेत्र में शोध करने वाले लोग करोड़ों भारतवासियों के इस उत्साह पर अध्ययन करेंगे तो पाएंगे कि अपनी विरासत पर गौरव करने वाला भारत अब एक नई ऊर्जा के साथ आगे बढ़ रहा है। मैं मानता हूं, ये युग परिवर्तन की वो आहट है, जो भारत का नया भविष्य लिखने जा रही है।' उन्होंने कहा कि महाकुंभ की इस परंपरा से, हजारों वर्षों से भारत की राष्ट्रीय चेतना को बल मिलता रहा है। हर पूर्णकुंभ में समाज की उस समय की परिस्थितियों पर ऋषियों-मुनियों, विद्वत् जनों द्वारा 45 दिनों तक मंथन होता था। इस मंथन में देश को, समाज को नए दिशा-निर्देश मिलते थे। इसके बाद, हर छह वर्ष में अर्धकुंभ में परिस्थितियों और दिशा-निर्देशों की समीक्षा होती थी। 12 पूर्णकुंभ होते-होते, यानि 144 साल के अंतराल पर जो दिशा-निर्देश, जो परंपराएं पुरानी पड़ चुकी होती थीं, उन्हें त्याग दिया जाता था, आधुनिकता को स्वीकार किया जाता था और युगानुकूल परिवर्तन करके नए सिरे से नई परंपराओं को गढ़ा जाता था। 144 वर्षों के बाद होने वाले महाकुंभ में ऋषियों-मुनियों द्वारा, उस समय-काल और परिस्थितियों को देखते हुए नए संदेश भी दिए जाते थे। अब इस बार 144 वर्षों के बाद पड़े इस तरह के पूर्ण महाकुंभ ने भी हमें भारत की विकासयात्रा के नए अध्याय का संदेश दिया है। ये संदेश है 'विकसित भारत का'!

प्रधानमंत्री ने कहा, 'जिस तरह एकता के महाकुंभ में हर श्रद्धालु, चाहे वो गरीब हों या संपन्न हों, बाल हो या वृद्ध हो, देश से आया हो या विदेश से आया हो, गांव का हो या शहर का हो, पूर्व से हो या पश्चिम से हो, उत्तर से हो दक्षिण से हो, किसी भी जाति का हो, किसी भी विचारधारा का हो, सब एक महायज्ञ के लिए एकता के महाकुंभ में एक हो गए! एक भारत-श्रेष्ठ भारत का ये चिर-स्मरणीय दृश्य, करोड़ों देशवासियों में आत्मविश्वास के साक्षात्कार का महापर्व बन गया। अब इसी तरह हमें एक होकर विकसित भारत के महायज्ञ के लिए जुट जाना है।'

मोदी ने कहा, आज मुझे वो प्रसंग भी याद आ रहा है जब बालक रूप में श्रीकृष्ण ने माता यशोदा को अपने मुख में ब्रह्मांड के दर्शन कराए थे। वैसे ही इस महाकुंभ में भारतवासियों ने और विश्व ने भारत के सामर्थ्य के विराट स्वरूप के दर्शन किए हैं। हमें अब इसी आत्मविश्वास से एक निष्ठ होकर, विकसित भारत के संकल्प को पूरा करने के लिए आगे बढ़ना है। 'उन्होंने कहा, 'भारत की ये एक ऐसी शक्ति है, जिसके बारे में भक्ति आंदोलन में हमारे संतों ने राष्ट्र के हर कोने में अलख जगाई थी। विवेकानंद हों या अरबिंदो हों, हर किसी ने हमें इसके बारे में जागरूक किया था। इसकी अनुभूति गांधी जी ने भी आजादी के आंदोलन के समय की थी। आजादी के बाद भारत की इस शक्ति के विराट स्वरूप को यदि हमने जाना होता, और इस शक्ति को 'सर्वजन हिताय, सर्वजन सुखाय' की ओर मोड़ा होता, तो ये गुलामी के प्रभावों से बाहर निकलते भारत की बहुत बड़ी शक्ति बन जाती! लेकिन हम तब ये नहीं कर पाए। अब मुझे संतोष है, खुशी है कि जनता जनार्दन की यही शक्ति, विकसित भारत के लिए एकजुट हो रही है।'

प्रधानमंत्री ने कहा, 'वेद से विवेकानंद तक और उपनिषद से उपग्रह तक, भारत की महान परंपराओं ने इस राष्ट्र को गढ़ा है। मेरी कामना है, एक नागरिक के नाते, अनन्य भक्ति भाव से, अपने पूर्वजों का, हमारे ऋषियों-मुनियों का पुण्य स्मरण करते हुए, एकता के महाकुंभ से हम नई प्रेरणा लेते हुए, नए संकल्पों को साथ लेकर चलें! हम एकता के महामंत्र को जीवन मंत्र बनाएं, देश सेवा में ही देव सेवा, जीव सेवा में ही शिव सेवा के भाव से स्वयं को समर्पित करें!'

'उन्होंने कहा, 'जब मैं काशी चुनाव के लिए गया था, तो मेरे अंतरमन के भाव शब्दों में प्रकट हुए थे, और मैंने कहा था, मां गंगा ने मुझे बुलाया है। इसमें एक दायित्व बोध भी था, हमारी मां स्वरूपा नदियों की पवित्रता को लेकर, स्वच्छता को लेकर! प्रयागराज में भी गंगा-यमुना-सरस्वती के संगम पर मेरा ये संकल्प और दृढ़ हुआ है। गंगा जी, यमुना जी, हमारी नदियों की स्वच्छता हमारी जीवन यात्रा से जुड़ी है। हमारी जिम्मेदारी बनती है कि नदी चाहे छोटी हो या बड़ी, हर नदी को जीवनदायिनी मां का प्रतिरूप मानते हुए, हम अपने यहां सुविधा के अनुसार, नदी उत्सव जरूर मनाएं! ये एकता का महाकुंभ हमें इस बात की प्रेरणा देकर गया है कि हम अपनी नदियों को निरंतर स्वच्छ रखें, इस अभियान को निरंतर मजबूत करते रहें।'

मोदी ने कहा है, 'मैं जानता हूं, इतना विशाल आयोजन आसान नहीं था। मैं प्रार्थना करता हूं मां गंगा से, मां यमुना से, मां सरस्वती से, हे मां हमारी आराधना में कुछ कमी रह गई हो तो क्षमा करिएगा! जनता जनार्दन, जो मेरे लिए ईश्वर का ही स्वरूप है, श्रद्धालुओं की सेवा में भी अगर हमसे कुछ कमी रह गई हो, तो मैं जनता जनार्दन का भी क्षमाप्रार्थी हूं।'

नेचुरोपैथी में बनाएं अपना कॅरियर

एक नेचुरोपैथ यानी प्राकृतिक चिकित्सक का वेतन काफी हद तक उसकी लोकेशन, विशेषज्ञता, योग्यता और अनुभव पर निर्भर करता है। वैसे शुरूआती तौर पर एक नेचुरोपैथ दस हजार से बीस हजार रूपए आसानी से कमा सकता है। एक बार अनुभव प्राप्त करने के बाद आपको आकर्षक वेतन मिल सकता है।

आज के समय में लोगों का लाइफस्टाइल जिस तरह का है, उसके कारण हर व्यक्ति किसी न किसी समस्या से ग्रस्त रहता ही है। लेकिन हर समस्या के लिए दवाइयों का इस्तेमाल करना उचित नहीं माना जाता। अगर आप भी लोगों का इलाज प्राकृतिक तरीके से करने में विश्वास रखते हैं तो नेचुरोपैथी में अपना भविष्य बना सकते हैं। यह एक ऐसी वैकल्पिक चिकित्सा है, जिसमें प्रकृति के पांच तत्वों की सहायता से व्यक्ति का इलाज किया जाता है। यह इलाज की एक बेहद पुरानी पद्धति है।

स्किल्स

इस क्षेत्र में कॅरियर देख रहे व्यक्ति को सामान्य चिकित्सा व मानव शरीर रचना विज्ञान के बारे में भी जानकारी होनी चाहिए। इसके अतिरिक्त एक सफल नेचुरोपैथ बनने के लिए आपके भीतर धैर्य, कम्युनिकेशन और लिसनिंग स्किल्स, आत्मविश्वास, मरीज की जरूरतों को समझना, मोटिवेशनल्स स्किल्स व रोगियों के भीतर विश्वास पैदा करने का भी कौशल होना चाहिए।

क्या होता है काम

एक नेचुरोपैथ का मुख्य काम सिर्फ रोगी का इलाज करना ही नहीं होता, बल्कि वह अपने पेशेंट के खानपान और उसके लाइफस्टाइल में भी बदलाव करता है, ताकि व्यक्ति जल्द से जल्द ठीक हो सके। इतना ही नहीं, एक नेचुरोपैथ को मनोविज्ञान का भी ज्ञान होना चाहिए ताकि वह रोगी की स्थित किो समझकर उसे बेहतर उपचार दे सके।

योग्यता

इस क्षेत्र में कॅरियर देख रहे छात्रों का भौतिकी, रसायन विज्ञान और जीवविज्ञान में कम से कम 45 प्रतिशत अंक होने चाहिए। इसके बाद आप बैचलर ऑफ नेचुरोपैथी और यौगिक साइंस कर सकते हैं। इसके अतिरिक्त इसमें डिप्लोमा कोर्स भी अवेलेबल हैं।

संभावनाएं

एक नेचुरोपैथ वेलनेस सेंटर्स, न्यूटिशन सेंटर, हॉस्पिटल, हेल्थ केयर सेंटर आदि में जॉब तलाश सकते हैं। इसके अतिरिक्त आप एकेडमिक्स, कम्युनिटी हेल्थ सर्विस केयर, सोशल वेलफेयर, मैन्युफैक्चरिंग और नेचुरल प्रॉडक्ट्स कंपनी आदि में भी काम कर सकते हैं। भारत में प्राकृतिक चिकित्सक सरकारी और निजी अस्पतालों और स्वास्थ्य केंद्रों में नियुक्त किए जाते हैं। वैसे लग्जरी होटल व हेल्थ रिसॉर्ट में भी नेचुरोपैथ सर्विसेज दी जाती हैं, वहां पर भी जॉब की जा सकती है। इसके अतिरिक्त आप विभिन्न अखबार, मैगजीन में लिख सकते हैं या फिर खुद का यूट्यूब चैनल चलाकर भी अच्छी खासी कमाई कर सकते हैं। एक अनुभवी प्राकृतिक चिकित्सक खुद का सेंटर भी खोल सकता है।

आमदनी

एक नेचुरोपैथ यानी प्राकृतिक चिकित्सक का वेतन काफी हद तक उसकी लोकेशन, विशेषज्ञता, योग्यता और अनुभव पर निर्भर करता है। वैसे शुरूआती तौर पर एक नेचुरोपैथ दस हजार से बीस हजार रूपए आसानी से कमा सकता है। एक बार अनुभव प्राप्त करने के बाद आपको आकर्षक वेतन मिल सकता है।

यूनिवर्सिटीज

- इंडियन इंस्टीटयूट ऑफ योगा एंड नेचुरोपैथी, नई दिल्ली।
- महर्षि पतंजलि इंस्टीटयूट फॉर योगा नेचुरोपैथी एजुकेशन एंड रिसर्च, गुजरात।
- बोर्ड ऑफ नेचुरोपैथी एंड योगा सिस्टम ऑफ मेडिसिन, मेरठ।
- सीएमजे यूनिवर्सिटी, मेघालय।
- प्रज्ञान इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी, रांची।
- एसडीएम कॉलेज ऑफ नेचुरोपैथी एंड योगा सांइस, कर्नाटक।
- हिमालयन यूनिवर्सिटी, ईटानगर।
- महावीर कॉलेज ऑफ नेचुरोपैथी एंड योग, छत्तीसगढ़।

एक टैटू आर्टिस्ट का काम महज टैटू बनाना ही नहीं होता। वह सबसे पहले अपने क्लाइंट की जरूरत को समझता है और उसके अनुसार अपने क्लाइंट को कुछ बेहतरीन सुझाव देता है। अंत में वह टैटू बनाता है।

अगर आपको भी है टैटू बनाने का पैशन...

पिछले कुछ समय से टैटू बनवाने का क्रेज युवाओं में काफी बढ़ गया है। वैसे तो टैटू पुराने समय से बनाए जाते रहे हैं लेकिन कुछ सालों से इसके स्वरूप में काफी परिवर्तन आया है। वर्तमान समय में सिर्फ आम लोग ही नहीं, बड़े-बड़े स्टार्स भी बॉडी पर टैटू बनवाते हैं, फिर चाहे बात दीपिका पादुकोण की हो या प्रियंका चोपड़ा की, हर कोई टैटू बनवा चुकी है। आज के समय में बहुत से ऐसे युवा हैं जो न सिर्फ टैटू बनवाने का क्रेज रखते हैं, बल्कि वह टैटू बनाना भी सीखना चाहते हैं। अगर आपको भी टैटू बनाने का पैशन है तो आप इस क्षेत्र में करियर की संभावनाएं देख सकते हैं-

क्या होता है काम

एक टैटू आर्टिस्ट का काम महज टैटू बनाना ही नहीं होता। वह सबसे पहले अपने क्लाइंट की जरूरत को समझता है और उसके अनुसार अपने क्लाइंट को कुछ बेहतरीन सुझाव देता है। अंत में वह टैटू बनाता है। इसके अलावा टैटू बनाने के बाद शुरूआत में स्किन की सही तरह से केयर करनी भी जरूरी होती है, इसलिए एक टैटू मेकर का काम है कि वह अपने क्लाइंट को स्किन केयर के बारे में भी सारी जानकारी दे ताकि उन्हें बाद में किसी तरह की परेशानी न उठानी पड़े।

स्किल्स

इस क्षेत्र की सबसे बड़ी जरूरत है आपका क्रिएटिव माइंड। आज के समय में पहले की तरह सिंपल टैटू नहीं बनाए जाते। इसलिए एक टैटू मेकर क्लाइंट की जरूरत को समझकर और अपनी क्रिएटिविटी का प्रयोग करके शरीर के विभिन्न

हिस्सों पर अलग-अलग कलर कॉम्बीनेशन और केमिकल्स के जरिए बेहतरीन आकृति को उकेरता है। इतना ही नहीं, इस क्षेत्र में आपकी सफलता आपका पैशन तय करता है। अगर आप इस काम से दिल से प्यार करते हैं, तभी आपको इस क्षेत्र में कदम रखना चाहिए। इसके अतिरिक्त एक टैटू मेकर को हमेशा अपडेट रहना चाहिए। उसे लेटेस्ट ट्रेंड की जानकारी होनी चाहिए। एक टैटू बनाना देखने में भले ही आसान लगे लेकिन यह एक कठिन काम है। इसमें आपको बेहद पेशेंस और एकाग्रता की जरूरत होती है। कई बार लोगों को टैटू से त्वचा में संक्रमण भी फैल जाता है। इसलिए यह बेहद जरूरी है कि आप इससे भी अच्छी तरह वाकिफ हों और हर तरह की सावधानी बरतते हुए ही अपना काम करें।

योग्यता

इस क्षेत्र में कॅरियर की संभावनाएं देख रहे छात्रों के लिए कोई मिनिमम योग्यता निर्धारित नहीं है। लेकिन टैटू बनाने में आजकल मशीनों का प्रयोग किया जाता है, इसके लिए आप किसी टैटू स्टूडियो या संस्थान से शॉर्ट टर्म कोर्स के जरिए टैटू मेकिंग सीख सकते हैं। यह कोर्स एक से दो महीने का होता है।

संभावनाएं

एक टैटू मेकर के लिए काम की कोई कमी नहीं है। टैटू मेकिंग का काम सीखने के बाद आप घर से ही काम की शुरूआत कर सकते हैं। अगर आप बजट अच्छा है तो अलग से टैटू मेकिंग स्टूडियो भी खोला जा सकता है। अगर आप क्लाइंट के घर जाकर काम कर सकते हैं तो ऑनलाइन काम को प्रमोट करना अच्छा रहेगा। इससे आपको कम समय में ही अच्छा काम मिलने लगेगा। इसके अतिरिक्त बड़े-बड़े मॉल्स में भी टैटू मेकिंग का काम शुरू किया जा सकता है।

आमदनी

इस क्षेत्र में कमाई अनुभव और आपके काम के अनुसार बढ़ती है। वैसे कोर्स करने के बाद शुरूआती दौर में एक टैटू मेकर प्रतिमाह 15 से 20 हजार रुपए आसानी से कमा सकता है। लेकिन कुछ सालों के अनुभव के बाद जब आप अपना नाम स्थापित कर लेते हैं तो आपकी आमदनी लाखों में भी हो सकती है।

कम्युनिकेशन डिजाइनिंग से दें कॅरियर को एक नई उड़ान

कम्युनिकेशन डिजाइन से संबंधित इस कोर्स की अवधि चार वर्ष है। इस कोर्स के दौरान छात्रों में ऐसी समझ का विकास किया जाता है, जिससे खुले और निर्मित स्थानों में संचार के लिए सही परिवेश की स्थापना हो सके। इसके साथ ही ऐसे अनुभवों का निर्माण हो सके जिनके समर्थन से दर्शकों के समक्ष विचारों की व्याख्या हो सके। देश के प्रतिष्ठित संस्थान राष्ट्रीय डिजाइन संस्थान डिजाइनिंग संबंधी कई कोर्स संचालित करता है। इन कोर्सेस में दाखिला लेकर छात्र न सिर्फ अपने सपनों को उड़ान दे सकते हैं, बल्कि सफलता की नई कहानी भी लिख सकते हैं। आज हम आपको राष्ट्रीय डिजाइन संस्थान में संचालित विभिन्न कोर्स की जानकारी दे रहे हैं

बैचलर ऑफ डिजाइन बी.डेस

यह चार वर्षीय पाठ्यक्रम है जो आठ विषयों में उपलब्ध है। 12वीं स्तर के 20 वर्षीय विद्यार्थी इन कोर्सेस में दाखिला ले सकते हैं।

एनीमेशन फिल्म डिजाइन

कम्युनिकेशन डिजाइन से संबंधित इस कोर्स की अवधि करीबन चार वर्ष की होती है और इसमें महज 15 सीटें ही एनआईडी में उपलब्ध होती हैं। इस कोर्स को करने के बाद छात्र विभिन्न टीवी चैनल में एनिमेटर, करैक्टर डिजाइनर, स्टोरी बोर्ड आर्टिस्ट, क्रिएटिव डायरेक्टर, प्रोडूसर, कंसलटेंट आदि के रूप में काम कर सकते हैं या फिर खुद का बिजनेस भी शुरू कर सकते हैं।

सिरामिक एवं ग्लास डिजाइन

सिरामिक एवं ग्लास डिजाइन कला और रचनात्मकता के क्षेत्रों में शिल्प, वास्तु, चिकित्सा, सत्कार, सज्जा उत्पादों आदि शैलियों में कार्यात्मक सम्भावनायें भी प्रदान करता है। एनआईडी का यह विभाग भारतीय कला और शिल्प से प्रेरणा लेता है और छात्रों को भविष्य में बड़े पैमाने पर उत्पादन और नयी तकनीकों की क्षमता को समझने में मदद करता है। इस कोर्स को करने के बाद छात्र एनज़ीओ, डिजाइन स्टूडियो, शिल्प उद्योग में भी रोजगार के अवसर ढूंढ सकते हैं या खुद का बिजनेस भी शुरू कर सकते हैं।

एक्सबिशन डिजाइन

कम्युनिकेशन डिजाइन से संबंधित इस कोर्स की अवधि चार वर्ष है। इस कोर्स के दौरान छात्रों में ऐसी समझ का विकास किया जाता है, जिससे खुले और निर्मित स्थानों में संचार के लिए सही परिवेश की स्थापना हो सके। इसके साथ ही ऐसे अनुभवों का निर्माण हो सके जिनके समर्थन से दर्शकों के समक्ष विचारों की व्याख्या हो सके।

फिल्म व वीडियो कम्युनिकेशन

फिल्म व वीडियो कम्युनिकेशन कोर्स के तहत छात्रों को छोटी एजुकेशनल, कल्चरल, सोशल, एंटरटेनिंग व मार्केट कम्युनिकेशन संबंधी शार्ट फिल्में बनाने करने के लिए तैयार किया जाता है। इस कोर्स को करने के बाद छात्र ऑडियो-विजुअल कम्युनिकेशन के क्षेत्र में अपना करियर बना सकते हैं। ऐसे छात्रों के लिए एड एजेंसी, फिल्म प्रॉडक्शन हाउस, टीवी चैनल्स व अन्य कई सरकारी क्षेत्रों व एनजीओ के रास्ते हमेशा खुले रहते हैं।

फर्नीचर डिजाइन

फर्नीचर डिजाइन भी वास्तव में एक कला है और इस कला की पूरी जानकारी एनआईडी के चार वर्षीय फर्नीचर डिजाइन कोर्स से प्राप्त होती है। कोर्स में विभिन्न प्रकार के मैटीरियल, उनके इस्तेमाल और क्रिएटिविटी का इस्तेमाल करके कुछ नया बनाने के लिए प्रेरित किया जाता है।

ग्राफिक डिजाइन

पिछले कुछ समय से ग्राफिक डिजाइनर की मांग काफी बढ़ी है। ऑनलाइन से लेकर ऑफलाइन तक लोग ग्राफिक्स का सहारा लेने लगे हैं। इसके जरिए चीजों को आसानी से समझा जा सकता है और यही कारण है कि यह कोर्स छात्रों के बीच खासा पसंद किया जाता है।

जीडीजीपी (ग्रेजुएट डिप्लोमा प्रोग्राम इन डिजाइन)

4 वर्ष का यह कोर्स विजयवाड़ा और कुरुक्षेत्र में उपलब्ध है। इसमें छात्रों का 12वीं पास होना आवश्यक है और उम्मीदवार की आयु 20 से अधिक न होनी चाहिए।

प्रॉडक्ट डिजाइन

प्रॉडक्ट डिजाइन उन वस्तुओं की रचना करना है, जो लोगों के लिए फायदेमंद है। वस्तुए बड़ी व्यवस्था का मुख्य अंश होती है। कोर्स के दौरान प्रोजेक्ट्स का मुख्य केंद्र उपयोगकर्ताओं की जरूरत, उत्पाद और आर्थिक प्रभाव के लिए प्रोडक्ट्स और सर्विसेज पर रहता है।

टेक्सटाइल डिजाइन

टेक्सटाइल डिजाइन के कोर्स के तहत छात्रों के भीतर कपड़ा अथवा टेक्सटाइल की समझ का ज्ञान विकसित किया जाता है। इस कोर्स की अवधि चार वर्ष है।

स्नातकोत्तर डिजाइन (एम.डेस.)

किसी भी विषय में स्नातक की डिग्री प्राप्त छात्र इस कोर्स में दाखिले के लिए आवेदन कर सकते हैं। 25 वर्ष की अवधि का यह कोर्स अहमदाबाद, बेंगलुरु और गांधीनगर कैंपसों में उपलब्ध है। इन कोर्सेस में दाखिला लेने वाले आवेदक की आयु 30 वर्ष से अधिक नहीं होनी चाहिए। यह कोर्स लगभग 19 विषयों में उपलब्ध है, जो इस प्रकार है-

- ऐनीमेशन फिल्म डिजाइन
- अपैरल डिजाइन
- सिरामिक व ग्लास डिजाइन
- डिजाइन फॉर रिटेल एक्सपीरियंस
- डिजिटल गेम डिजाइन
- फिल्म व वीडियो कम्युनिकेशन डिजाइन
- फर्निचर डिजाइन
- ग्राफिक डिजाइन
- इन्फोरमेशन डिजाइन
- इंटरैक्शन डिजाइन
- लाइफस्टाइल ऐक्सेसरी डिजाइन
- न्यू मीडिया डिजाइन
- फोटोग्राफी डिजाइन
- प्रोडक्ट डिजाइन
- स्ट्रैटिजिक डिजाइन प्रबंधन
- टेक्सटाइल डिजाइन
- टॉय ऐंड गेम डिजाइन
- ट्रांसपोर्टटेशन व ऑटोमोबाइल डिजाइन
- यूनिवर्सल डिजाइन

सूरजकुंड में महा स्टेज, चौपाल से नाट्यशाला तक बिखर रहे कला-संस्कृति के रंग

13 लाख से अधिक पर्यटक ने उठाया मेले का लुफ्त

Faridabad/Alive News

सूरजकुंड में चल रहा 38 वां अंतरराष्ट्रीय शिल्प मेला पूरे शबाब पर है। मेला में आने वाले प्रत्येक पर्यटक को कलाकार, बुनकर, शिल्पकारों के साथ ही देशी विदेशी लजीज व्यंजनों का स्वाद चखने को मिल रहा है। मेला में अब तक 13 लाख से ज्यादा पर्यटक विजिट कर चुके हैं। इस बार मेला में कलाकारों के लिए एक अनोखा सांस्कृतिक महोत्सव आयोजित किया गया है, जिसमें देश के विभिन्न कोनों से आए पर्यटक और संस्कृति प्रेमी अपनी-अपनी परंपराओं और कलाओं का अद्भुत संगम देखने के लिए जुटे हैं। मेल में बनी छोटी चौपाल क्षेत्र में पारंपरिक ग्रामीण जीवन की झलक देखने को मिलती है। चौपाल में दर्शक न केवल अपने पूर्वजों की परंपराओं को आत्मसात कर रहे हैं बल्कि नए-नए प्रयोगों का भी लुत्फ उठा रहे हैं। बड़ी चौपाल पर पारंपरिकता और आधुनिकता का अद्भुत मिश्रण देखने को मिल रहा है। यहां के आयोजन में विभिन्न रंगमंचीय प्रस्तुतियां, संवाद सत्र और कला प्रदर्शनी के माध्यम से संस्कृति के रंग बिखर रहे हैं। वहीं शाम होते ही दर्शकों का महा स्टेज की ओर पहुंचने का सिलसिला शुरू हो जाता है। महा स्टेज पर हर दिन रात के समय कला, नृत्य, संगीत और थिएटर से जुड़े कई कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। पर्यटन निगम हरियाणा के एमडी डॉ. सुनील कुमार कहते हैं कि महाकुंभ स्वरूप शिल्प महाकुंभ मेला में कला और संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए सरकार के निर्देशानुसार कलाकारों, शिल्पकारों और पर्यटकों के लिए आवश्यक सुविधाएं मुहैया कराई गई हैं। मेला में हर पर्यटक को विभिन्न देश व विदेशी कला और संस्कृति की जानकारी मिले, इसके लिए मेला परिसर में अलग अलग चार मंच बनाए गए हैं, जहां प्रतिदिन कलाकारों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुतियां देकर आगन्तुकों का भरपूर मनोरंजन किया जा रहा है। इस अवसर पर राष्ट्रीय महिला आयोग की अध्यक्ष विजया राहटकर, स्पेशल रेजिडेंट कमिश्नर ओडिशा मृणालिनी दरसवाल, राज्य महिला आयोग की चेयरपर्सन रेणु भाटिया, हरियाणा टूरिज्म कारपोरेशन के एमडी डा. सुनील कुमार, जीएम यूएस भारद्वाज, कुलदीप सिंह, ओडिशा मंडप के नोडल अधिकारी प्रणब कुमार चांद, पर्यटन निगम हरियाणा के एजीएम हरविंद्र सिंह, एजीएम राजपाल सिंह सहित अन्य अधिकारी और गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। इस अवसर पर सिंगापुर, मलेशिया, विदेश मंत्रालय के अधिकारी गण, गोवा पर्यटन विकास निगम के उपनिदेशक धीरज वागले, हरियाणा पर्यटन निगम के एजीएम हरविंद्र सिंह, एजीएम राजपाल सिंह, प्रबंधक सुनील शर्मा सहित गोवा और हरियाणा पर्यटन निगम के अधिकारी गण व गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

ओडिशा की उपमुख्यमंत्री और हरियाणा के पर्यटन मंत्री ने किया कलाकारों को प्रोत्साहित

ओडिशा के लोक कलाकारों ने शिव धी माही नृत्य प्रस्तुत कर बांधा समा

Faridabad/Alive News

सूरजकुंड मेले में की सांस्कृतिक संध्या में ओडिशा राज्य के लोक कलाकारों ने अपने पारंपरिक शास्त्रीय नृत्य और गायन से समा बांध दिया। सांस्कृतिक संध्या में बतौर मुख्य अतिथि मेले के थीम स्टेट ओडिशा की उपमुख्यमंत्री प्रभाती परिडा और हरियाणा के विरासत एवं पर्यटन मंत्री डॉ.अरविंद कुमार शर्मा ने शिरकत की। उन्होंने ओडिशा के लोक कलाकारों द्वारा प्रस्तुत किए गए सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रशंसा की। पर्यटन निगम और कला एवं सांस्कृतिक कार्य विभाग हरियाणा के संयुक्त तत्वावधान में निरंतर सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन कर पर्यटकों का मनोरंजन किया जा रहा है। बड़ी चौपाल पर आयोजित सांस्कृतिक संध्या में ओडिशा प्रदेश के लोक कलाकारों ने शानदार प्रस्तुतियां देकर खूब रंग जमाया। ओडिशा की

प्रसिद्ध कोरियोग्राफर, नृत्यांगना एवं नृत्य अकादमी ओडिशा की सचिव पद्मश्री डा.अरुणा मोहंती द्वारा तैयार करवाई गई भगवान शिव को समर्पित शिव धी माही नृत्य की मनमोहक प्रस्तुति से लोक कलाकारों ने दर्शकों की खूब तालियां बटोरी। वहीं ओडिशा के पारंपरिक नृत्य, गायन और वादन की शानदार प्रस्तुतियों से दर्शकों का खूब मनोरंजन किया।

मेले में गोवा डेः गोवा कलाकारों ने दी लैंप डांस की सामूहिक प्रस्तुति

Faridabad/Alive News

सूरजकुंड मेले में गोवा के पर्यटन विकास निगम के तत्वावधान में गुरुवार को गोवा-डे मनाया गया। मुख्य चौपाल पर गोवा के कलाकारों ने लैंप डांस की सामूहिक प्रस्तुति देकर दर्शकों का मन मोह लिया। गोवा पर्यटन विकास निगम के महाप्रबंधक ग्रेविन डायस ने गोवा की कला एवं संस्कृति पर प्रकाश डालते हुए कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. प्रमोद सावंत के मार्गदर्शन और पर्यटन और आईटी मंत्री रोहन खाउंटे

के गतिशील नेतृत्व में पर्यटन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से कई नए कार्यक्रम शुरू किए हैं। महाप्रबंधक ने अपने संबोधन में हरियाणा सरकार द्वारा अंतरराष्ट्रीय शिल्प मेला के भव्य आयोजन की सराहना की। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार हरियाणा प्रदेश अपनी सांस्कृतिक विरासत के बलबूते दुनिया में अपनी पहचान कायम किए है ठीक उसी अनुरूप गोवा भी पर्यटन, कला और संस्कृति के साथ अपना प्रभुत्व कायम किए है। उन्होंने कहा कि गोवा पर्यावरण संरक्षण और टिकाऊ के साथ समुदाय-केंद्रित पर्यटन प्रथाओं का प्रतीक हैं। राज्य की प्राकृतिक सुंदरता को संरक्षित करने और इसके पारिस्थितिक संतुलन को बनाए रखने के प्रयास किए जाते हैं ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि आने वाली पीढ़ियां इसके पवित्र आकर्षण का अनुभव करना जारी रख सकें। उन्होंने हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी, पर्यटन एवं विरासत मंत्री डा.अरविंद कुमार शर्मा, पर्यटन निगम की प्रधान सचिव एवं मेला प्राधिकरण की वाइस चेयरपर्सन कला रामचंद्रन व निगम के प्रबंध निदेशक डा. सुनील कुमार और उनकी टीम को सूरजकुंड अंतरराष्ट्रीय शिल्प मेले में गोवा पर्यटन को दिए गए सभी सहयोग और समर्थन के लिए आभार व्यक्त किया।

लाखों करोड़ों टैक्स देने के बावजूद फरीदाबाद की स्वास्थ्य सेवाएं बदहाल: डा. सुशील गुप्ता

स्वास्थ्य सेवाओं के नाम पर फरीदाबाद वासियों को मिल रहा केवल रेफर और रेफर: सतीश चोपड़ा

Faridabad/Alive News

आम आदमी पार्टी के पूर्व राज्यसभा सांसद एवं हरियाणा प्रदेशाध्यक्ष डा.सुशील गुप्ता ने कहा है कि इतनी बड़ी विडम्बना है कि लाखों करोड़ों टैक्स देने के बावजूद भी फरीदाबाद शहर की स्वास्थ्य सेवाओं बदहाल है। चार वर्ष से पहले शुरू हुए श्री अटल बिहारी वाजपेयी मेडिकल कॉलेज होने के बावजूद उसमें आईपीडी सेवाओं तक उपलब्ध नहीं है। नेशनल मेडिकल बोर्ड देखें न वहां आईसीयू है और न ही ऑपरेशन करने की सुविधा उपलब्ध है। मरीज आने पर केवल और केवल उसे रेफर किया जा रहा है। जो नियमों के खिलाफ भी है। जबकि दिल्ली में हमारी सरकार होने पर वहां ज्यादातर टेस्ट व अन्य स्वास्थ्य सुविधाएं मुफ्त उपलब्ध रही है। पूर्व राज्यसभा सांसद ने कहा कि मैं व आम आदमी पार्टी का प्रत्येक कार्यकर्ता सेवा वाहन संचालक सतीश चोपड़ा के नेतृत्व में

दिए जा रहे इस रेफर मुक्त संघर्ष समिति अभियान को अपना पूर्ण समर्थन देते है। इस मौके पर धरने के संयोजक सतीश चोपड़ा ने समर्थन देने के लिए उनका धन्यवाद करते हुए कहा कि वह फरीदाबाद की 24 लाख की आबादी के लिए ट्रामा सेंटर की मांग कर रहे है ताकि इलाज के अभाव में वह दम न तोड़ सकें। श्री चौपड़ा ने कहा कि उन्होंने 12 साल में सैकड़ों लोगों को अपने हाथों में दम तोड़ते हुए देखा है। पिछले 80 दिनों से यह धरना निर्बाध रूप से चल रहा है और संघर्ष समिति की टीम को उम्मीद है कि आगामी बजट में उनकी मांगों को स्वास्थ्य मंत्री आरती राव व मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी मानते हुए शहरवासियों को ट्रामा सेंटर उपहार के रूप में देगें। इस मौके पर आम आदमी पार्टी से पं. राजेन्द्र शर्मा, आभाष चंदीला, मंजू गुप्ता, नीतू मान, अमन गोयल, रविन्द्र फौजदार के अलावा संघर्ष समिति के प्रमोद भड़ाना, विकास कुशवाहा सहित अन्य पदाधिकारी गण मौजूद रहे।

Ideal School Agwanpur celebrated 8th Inception Day

Faridabad/Alive News

Ideal Public School, Agwanpur joyfully celebrated its 8th Inception Day today, marking eight years of educational excellence. The festivities commenced with a traditional Tika ceremony, where young students warmly welcomed attendees by applying ceremonial marks.

The event featured vibrant group dances and a play emphasizing the importance of a conducive school environment. A presentation highlighting the school's history showcased its remarkable journey over the years.

The celebration concluded with a ceremonial cake-cutting, symbolizing the school's achievements and aspirations.

Chairman Mr. Rakesh Bhadana, Director Ms. Sudesh Bhadana, and Principal Mr. Raman Kumar extended heartfelt congratulations to faculty members and students, commending their dedication and contributions to the school's successful journey.

उपायुक्त कार्यालय पर आंगनबाड़ी कर्मचारियों का प्रदर्शन

Faridabad/Alive News

सेक्टर-12 स्थित जिला उपायुक्त कार्यालय पर वीरवार को सैकड़ों आंगनवाड़ी कर्मचारियों ने अपनी मांगों को लेकर प्रदर्शन किया। उन्होंने पोषण ट्रैकर ऐप की तकनीकी खामियों को लेकर सीएम के नाम एसडीएम शिखा आंतिल को ज्ञापन सौंपा। हरियाणा बाल विकास एवं आंगनवाड़ी वर्कर यूनियन की प्रधान वकील ने समस्याओं का ब्योरा दिया। उन्होंने बताया कि पोषण ट्रैकर ऐप में कई तकनीकी खामियां हैं। फेस ट्रैकिंग फीचर और आधार ओटीपी वेरिफिकेशन में समस्याएं आ रही हैं। नेटवर्क की दिक्कतों और ऐप के हैंग होने से लाभार्थियों का डाटा अपडेट नहीं हो पा रहा है। कर्मचारियों ने ऐप को बंद करने की मांग की है। साथ ही वेतन वृद्धि और नौकरी में स्थायीकरण की मांग भी रखी है। उनका कहना है कि सरकार ने 2018 में न्यूनतम वेतन और स्थायी नौकरी का वादा किया था। लेकिन सात साल बाद भी यह वादा पूरा नहीं हुआ है। हरियाणा के अन्य जिलों में भी आंगनवाड़ी वर्कर्स ने विरोध प्रदर्शन किया। फरीदाबाद में करीब 50 से 100 महिला कर्मचारियों ने प्रदर्शन में हिस्सा लिया। सभी ने सरकार से अपनी समस्याओं का जल्द समाधान करने की मांग की है।

जे.सी.बोस विश्वविद्यालय के सोशल वर्क के दस दिवसीय ग्रामीण शिक्षा शिविर का समापन

- विद्यार्थियों ने ग्रामीण परिवेश से परिचित होने के अद्भुत अनुभव को साझा किया
- स्वास्थ्य शिविर, रैली, नुक्कड़ नाटक, स्वच्छता अभियान से ग्रामीणों को किया जागरूक
- ग्रामीणों ने मुक्त कंठ से जे.सी.बोस विश्वविद्यालय के सोशल वर्क के छात्रों की सराहना की
- शिविर स्थल पर विद्यार्थियों की तमाम गतिविधियों संबंधित चित्र प्रदर्शनी को सभी ने सराहा
- संयुक्त परिवार के साथ गांव को समझा गांव को जाना, जो उन्हें लगा जाना पहचानाः डॉ.पवन सिंह

Faridabad/Alive News

जे.सी.बोस विश्वविद्यालय में मीडिया विभाग के सोशल वर्क के स्नातकोत्तर विद्यार्थियों के लिए दस दिवसीय ग्रामीण शिक्षा शिविर का आज विधिवत समापन हो गया। शिविर में विद्यार्थियों ने ग्रामीण परिवेश की वास्तविकताओं से परिचित होने का एक अद्भुत अनुभव प्राप्त किया। स्थानीय समुदायों से संवाद स्थापित कर सामाजिक विकास में ग्रामीणों की भागीदारी के लिए उन्हें प्रेरित किया। विद्यार्थियों ने दस दिन तक गांव-स्कूल में स्वास्थ्य शिविर, जागरूकता रैली, नुक्कड़ नाटक, स्वच्छता अभियान जैसी गतिविधियों के माध्यम से ग्रामीणों को जागरूक भी किया। शिविर स्थल पर विद्यार्थियों की तमाम गतिविधियों संबंधित चित्र प्रदर्शनी को सभी अतिथियों ने सराहना की। इस शिविर के समापन समारोह में मुख्य अतिथि उधमी एवं समाजसेवी मुकेश मंगला, विशिष्ट अतिथि के रूप में समाजसेवी प्रियंका गर्ग, भाजपा प्रवक्ता बिजेंद्र नेहरा, जे.सी.बोस विश्वविद्यालय के संचार एवं मीडिया तकनीकी विभागाध्यक्ष डॉ.पवन सिंह ने कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। दीप प्रज्वलन से समारोह शुरू हुआ। इसके उपरांत छात्रों ने समूह नृत्य किया। शिविर के दौरान आयोजित खेल प्रतियोगिता के विजेताओं को ट्रॉफी देकर और सभी अतिथियों, स्कूल

विद्यार्थियों, अध्यापक एवं ग्रामीणों को स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया। बल्लबगढ़ के सागरपुर गांव के राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय के प्रांगण में संचार एवं मिडिया तकनीकी विभाग के सोशल वर्क में स्नातकोत्तर विद्यार्थियों के लिए दस दिवसीय ग्रामीण शिक्षा शिविर का आयोजन किया गया जिसका आज बृस्पतिवारको विधिवत समापन हुआ। इस अवसर पर उधमी एवं समाजसेवी मुकेश मंगला ने अपने उद्बोधन में सामाजिक सद्भाव समरसता के भाव को जागृत करने वाला संदेश देते हुए चलो गांव की ओर के मूल उद्देश्य हेतु इस तरह के कार्यक्रम के आयोजन की सराहना की। उन्होंने शिक्षा के साथ संस्कार की सार्थकता के प्रभाव को भी उदाहरण देकर बताया। समाजसेवी प्रियंका गर्ग ने अपने उद्बोधन में जे.सी.बोस विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों की शिविर संबंधित तमाम गतिविधियों की खूब सराहना की। उन्होंने ग्रामीण एवं शहरी जीवन शैली के बारे में संक्षिप्त जानकारी दी। गांव की सामाजिकता, समरसता और गांव के सौहार्द, कम संसाधन में बेहतर परिणाम कैसे दें ये सीख हमे गांवों से ही प्राप्त होते हैं। मीडिया विभागाध्यक्ष डॉ.पवन सिंह ने अपने उद्बोधन में कुटुंब प्रबोधन की महत्ता के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि इस दस दिवसीय ग्रामीण शिक्षा शिविर में विद्यार्थियों ने ग्रामीण संयुक्त परिवार के साथ-साथ गांव को समझा, गांव को जाना, जो इन्हे जाना पहचाना सा लगा। यह इनके द्वारा साझा किए गए अनुभव से स्पष्ट व्यक्त हो रहे हैं। इसके अतिरिक्त इन्होने विगत दस दिनों में स्वास्थ्य शिविर, जागरूकता रैली, नुक्कड़ नाटक, स्वच्छता अभियान जैसी गतिविधियों के माध्यम से ग्रामीणों को जागरूक भी किया। शिविर के सफल आयोजन पर कुलपति प्रो.एस.के.तोमर ने मीडिया विभाग की सराहना करते हुए कहा कि विद्यार्थियों के लिए पाठ्यक्रम के अतिरिक्त व्यावहारिक ज्ञान का समय समय पर अनुभव प्राप्त करना भी आवश्यक है। शिविर की तमाम गतिविधियों संबंधित चित्र प्रदर्शनी को सभी ने सराहा। अंत में शिविर संयोजक डॉ. के.एम. ताबिश ने सभी का धन्यवाद व्यक्त किया। इस अवसर पर भाजपा नेता एवं समाजसेवी बिजेंद्र नेहरा, पूर्व सैनिक, आंगनवाड़ी आशा वर्कर, वरिष्ठजन एवं उपस्थित समस्त ग्रामीण विशेष रूप से उपस्थित रहे। इस गतिविधि का नेतृत्व सहायक प्राचार्य डॉ.तरूणा नरूला ने किया। जिसमें पत्रकारिता में स्नातकोत्तर विद्यार्थियों का दल शैक्षणिक भ्रमण पर सूरजकुंड पहुंचा। इस अवसर पर फरीदाबाद के जिला सूचना एवं जनसंपर्क अधिकारी भी उपस्थित रहे। उन्होंने छात्रों को फील्ड रिपोर्टिंग का महत्व समझाया और उन्हें एक लेख असाइनमेंट दिया, जिसे छात्रों ने पूर्ण कर प्रस्तुत किया। डॉ. पवन सिंह, चेयरपर्सन ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि इस प्रकार के व्यावहारिक प्रशिक्षण से छात्रों को मीडिया इंडस्ट्री में बेहतर अवसर प्राप्त होंगे और वे अपने कौशल को और निखार सकेंगे।

भाजपा जिला फरीदाबाद कोर कमेटी की बैठक संपन्न

Faridabad/Alive News

भाजपा जिला फरीदाबाद की कोर कमेटी की बैठक भाजपा जिला कार्यालय 'अटल कमल' पर संपन्न हुई, जिसमें केंद्रीय राज्यमंत्री कृष्णपाल गुर्जर, हरियाणा के शहरी निकाय मंत्री विपुल गोयल, खाद्य मंत्री राजेश नागर, जिला अध्यक्ष राजकुमार वोहरा, राष्ट्रीय परिषद सदस्य संदीप जोशी, विधायक सतीश फागना, पूर्व शिक्षा मंत्री सीमा त्रिखा, मुख्यमंत्री के पूर्व राजनीतिक सचिव अजय गौड़, मीडिया सलाहकार मुख्यमंत्री राजीव जेटली, प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य सोहनपाल सिंह, अनुशासन समिति की प्रदेश अध्यक्ष नीरा तोमर, पूर्व जिला अध्यक्ष गोपाल शर्मा, प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य ओमप्रकाश रक्षवाल, जिला महामंत्री सुरेन्द्र जांगड़ा आदि उपस्थित रहे। जिला अध्यक्ष राजकुमार वोहरा ने बताया कि जिला कोर कमेटी बैठक में नगर निगम चुनाव के लिए चुनाव प्रबंधन समिति का गठन कर लिया गया है, भाजपा मेयर प्रत्याशी प्रवीण जोशी के सभी विधानसभाओं के वार्डों में जनसंपर्क कार्यक्रम के लिए विधानसभा अनुसार तिथि तय की गई, 22 फरवरी को एन आई टी, 24 फरवरी बल्लभगढ़ विधानसभा, 25 फरवरी को फरीदाबाद विधानसभा, 26 फरवरी को बडखल विधानसभा, 27 फरवरी को तिगांव विधानसभा में मेयर प्रत्याशी के कार्यक्रम रहेंगे। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी का फरीदाबाद में 23 फ़रवरी को प्रवास रहेगा और तिगाँव एवं फरीदाबाद विधानसभा में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी का रोड शो का आयोजन किया जायेगा।

विकसित हो भीड़ नियंत्रण का प्रभावी तंत्र

रमेश सर्राफ धमोरा

देश में भगदड़ में मरने वालों की सूची बहुत लंबी है। सभी को पता है कि जहां बड़ी संख्या में लोगों की भीड़ एकत्रित होगी वहां कभी भी भगदड़ मचने की स्थिति पैदा हो सकती है। मगर अभी तक ऐसी कोई व्यवस्था नहीं बन पाई है जिससे भगदड़ की स्थिति ही उत्पन्न नहीं होने पाए। सरकारी भी भगदड़ होने के बाद उसको रोकने के ढोल पीट कर कुछ समय बाद शांत बैठ जाती है। मगर ऐसा कोई स्थाई तंत्र विकसित नहीं किया जाता है। जिससे भगदड़ की स्थिति होने से पहले ही सुरक्षा कर्मियों को अलर्ट मिले और वह उन पर नियंत्रण कर सके।

देश में हम आए दिन भीड़ में भगदड़ मचने से कई लोगों के मरने की खबरें पढ़ते रहते हैं। हाल ही में महाकुंभ स्नान के दौरान प्रयागराज में भीड़ में भगदड़ के चलते 37 लोगों को जान गंवानी पड़ी थी। इस घटना के कुछ दिनों बाद ही नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर महाकुंभ जाने वालों की भीड़ में अचानक भगदड़ मचने से 18 लोगों की मौत हो गई थी। यह दोनों ही दुर्घटना बहुत दुर्भाग्यपूर्ण व दुखद है।

देश में भगदड़ में मरने वालों की सूची बहुत लंबी है। सभी को पता है कि जहां बड़ी संख्या में लोगों की भीड़ एकत्रित होगी वहां कभी भी भगदड़ मचने की स्थिति पैदा हो सकती है। मगर अभी तक ऐसी कोई व्यवस्था नहीं बन पाई है जिससे भगदड़ की स्थिति ही उत्पन्न नहीं होने पाए। सरकारी भी भगदड़ होने के बाद उसको रोकने के ढोल पीट कर कुछ समय बाद शांत बैठ जाती है। मगर ऐसा कोई स्थाई तंत्र विकसित नहीं किया जाता है। जिससे भगदड़ की स्थिति होने से पहले ही सुरक्षा कर्मियों को अलर्ट मिले और वह उन पर नियंत्रण कर सके।

भगदड़ भीड़ प्रबंधन की असफलता की स्थिति में पैदा हुई मानव निर्मित आपदा है। भगदड़ प्रायः भीड़ भरे इलाको में किसी अफवाह के कारण भी पैदा हो सकती है। इसके अलावा प्राकृतिक आपदाएं एवं प्रशासनिक अव्यवस्था के कारण भी यह आपदा पैदा होती है। इसमें संपत्ति से अधिक जान की क्षति होने की संभावना रहती है। भीड़ दुर्घटनाओं में होने वाली मौतों के वैश्विक डेटाबेस के मुताबिक सन 2000 के बाद से भारत में 50 से ज्यादा विनाशकारी सामूहिक समारोहों में दो हजार से ज्यादा लोगों की जान चली गई है। इन दुर्घटना को देखते हुए प्रभावी भीड़ प्रबंधन तंत्र विकसित करने की बहुत जरूरत महसूस की जा रही है। खासकर कुंभ जैसे बड़े आयोजनों में इसकी काफी जरूरत महसूस होती है।

भगदड़ बेहद खतरनाक और घातक स्थिति होती है। किसी भी जगह पर जब भीड़ उसकी क्षमता से अधिक हो जाती है और लोगों के पास निकलने का रास्ता नहीं होता है। भीड़ की वजह से लोगों को पैर रखने की जगह नहीं मिलती है। ऐसी स्थिति में किसी तरह की अफवाह या दुर्घटना होने पर भीड़ बेकाबू हो जाती है। इसे भीड़ में हलचल भी कहा जाता है। इसकी वजह से ही भगदड़ की स्थिति बनती है।

इसी तरह भीड़ में हलचल का मतलब भीड़ का बेतरतीब तरीके से एक से ज्यादा दिशाओं में एक ही समय में आगे बढ़ना है। ऐसे में लोगों को चलने के लिए जगह कम होती है वो एक-दूसरे के बीच दब जाते हैं। जब लोग एक-दूसरे से बहुत नजदीक होते हैं तो ह्यफोर्सेज का ट्रांसमिशनह्न यानी बल का संचरण हो सकता है। इस फोर्स ट्रांसमिशन को आपने भी कभी न कभी तब महसूस किया होगा जब आप एक बहुत भीड़-भाड़ वाली किसी लाइन में खड़े हुए होंगे। जब पीछे से अचानक धक्का लगता है तो व्यक्ति खुद भी उस धक्के को अपने से आगे खड़े व्यक्ति को ट्रांसफर कर देते हैं। ऐसे में अपना संतुलन बनाए रखना और अपने पैरों पर खड़े रहना लोगों के लिए बहुत मुश्किल हो जाता है।

ये पहली बार नहीं था जब किसी धार्मिक कार्यक्रम के दौरान भगदड़ मची हो। इसके पहले भी समय-समय पर भगदड़ मचने की खबरें सामने आती रही हैं। इन घटनाओं में कई लोगों की जान भी चली गई। 27 अगस्त 2003 महाराष्ट्र के नासिक जिले में कुंभ मेले में स्नान के दौरान भगदड़ मचने से 39 लोगों की मौत हो गई थी। 25 जनवरी 2005 को महाराष्ट्र के सतारा जिले में मंधारदेवी मंदिर में भगदड़ मच गई थी। जिसमें 340 से ज्यादा श्रद्धालु कुचले गए थे। 3 अगस्त 2008 हिमाचल प्रदेश के बिलासपुर जिले में नैना देवी मंदिर में मची भगदड़ में 162 लोगों की मौत हो गई थी। 30 सितंबर 2008 राजस्थान के जोधपुर शहर में चामुंडा देवी मंदिर में मची भगदड़ में लगभग 250 श्रद्धालुओं की मौत हो गई थी। 4 मार्च 2010 को उत्तर प्रदेश के प्रतापगढ़ जिले में कृपालु महाराज के राम जानकी मंदिर में भगदड़ में 63 लोगों की मौत हो गई थी. ।14 जनवरी 2011 को केरल के इडुक्की जिले के पुलमेडु में सबरीमाला मंदिर में एक जीप की टक्कर से मची भगदड़ में 104 श्रद्धालुओं की मौत हो गई थी। 8 नवंबर 2011 को हरिद्वार में गंगा नदी के किनारे हर की पौड़ी घाट पर मची भगदड़ में लगभग 20 लोगों की मौत हो गई थी। 19 नवंबर 2012 को पटना में गंगा नदी पर छठ पूजा के दौरान एक अस्थायी पुल के ढह जाने से भगदड़ मच गई थी जिसमें 20 लोगों की मौत हो गयी थी।

13 अक्टूबर 2013 मध्य प्रदेश के दतिया जिले में रतनगढ़ मंदिर के पास नवरात्रि के जश्न के दौरान भगदड़ मचने से 115 लोगों ने अपनी जान गंवाई थी। 3 अक्टूबर 2014 को दशहरे का जश्न समाप्त होने के तुरंत बाद पटना के गांधी मैदान में भगदड़ मच गई जिसमें 32 लोगों की मौत हो गई थी। 14 जुलाई 2015 को आंध्र प्रदेश के राजमुंदरी में पुष्करम उत्सव के पहले दिन गोदावरी नदी के तट पर भगदड़ मचने से 27 लोगों ने अपनी जान गंवा दी थी। 1 जनवरी 2022 को जम्मू-कश्मीर में माता वैष्णो देवी मंदिर में भगदड़ मचने से 12 लोगों की मौत हो गई थी। 31 मार्च 2023 को इंदौर शहर के एक मंदिर में रामनवमी के मौके पर एक प्राचीन बावड़ी के ऊपर बनी स्लैब के ढह जाने से 36 लोगों को अपनी जान गंवानी पड़ी थी।

इसी तरह रेलवे स्टेशनों पर भी भगदड़ के कारण कई बड़ी दुर्घटना हो चुकी है। 28 सितंबर 2002 को लखनऊ में बसपा की रैली से वापस घर लौटते समय ट्रेन की छत पर चढ़ने से चार लोगों की करंट लगने से मौत हो गई थी। 13 नवंबर 2004 को नई दिल्ली स्टेशन पर छठ पूजा के दौरान बिहार जाने वाले ट्रेन का प्लेटफार्म अचानक बदलने से दूसरे प्लेटफार्म पर जाने के लिए ओवरब्रिज पर मची भगदड़ में चार यात्रियों की मौत हुई थी। 03 अक्टूबर 2007 को मुगल सराय जंक्शन पर भगदड़ मचने के कारण 14 महिलाओं की मौत हो गई थी। 10 फरवरी 2013 को इलाहाबाद में कुंभ मेला के दौरान रेलवे जंक्शन पर भगदड़ मचने से 38 लोगों की मौत हो गई थी। 29 सितंबर 2017 के दिन मुंबई के एलफिंस्टन रेलवे स्टेशन में बने फुटओवर ब्रिज पर भगदड़ मचने के कारण 22 लोगों की मौत हुई थी। हमारे देश में आए दिन जगह-जगह बड़े-बड़े धार्मिक, सामाजिक, राजनीतिक व अन्य कई प्रकार के आयोजन होते रहते हैं। जिनमें हजारों-लाखों लोग शामिल होते हैं। ऐसे ही कार्यक्रमों में जरा सी लापरवाही भगदड़ का कारण बन सकती है। ऐसे में यदि कार्यक्रम के आयोजक सावधानी बरतते हुए भीड़ नियंत्रण के पुख्ता इंतजाम करें तभी किसी तरह की दुर्घटना होने से बचा जा सकता है। नई दिल्ली रेलवे स्टेशन व प्रयागराज के महाकुंभ में भी जो भगदड़ की स्थिति पैदा हुई है उसमें प्रशासनिक चूक रही है। एक स्थान पर अधिक भीड़ इकट्ठी होने पर यदि प्रशासन के अधिकारी सतर्कता बढ़ाते तो ऐसी दुर्घटनाओं को टाला जा सकता था। आगे भी सरकार को चाहिए कि ऐसे किसी भी बड़े आयोजनों के लिए और अधिक पुख्ता व्यवस्था करें। देश में आपदा राहत बल को भी अधिक सशक्त किया जाये ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं से बचा जा सके।

संपादकीय

इंफ्रास्ट्रक्चर पर जोर

उप्र की योगी सरकार ने वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए आठ लाख करोड़. का सबसे बड़ा बजट पेश किया। इसकी खासियत इंफ्रास्ट्रक्चर, गरीब, युवाङ्क किसान, महिलाएं, धार्मिक पर्यटन रहा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में वित्तमंत्री सुरेश खन्ना ने पर्यटन स्थलों के लिए 400 करोड़.रुपये प्रस्तावित किए। अयोध्या व मथुरा के लिए क्रमशः 150-125 करोड़.रुपये तथा नैमीषारण्य के लिए सौ करोड़.की व्यवस्था प्रस्तावित है। मलिन बस्तियों के विकास के लिए 400 करोड़.व अर्बन फ्लड़ स्टार्म वाटर ड्रेनेज योजना को हजार करोड़, स्मार्ट सिटी योजना को 450 करोड़, बेसहारा पशुओं के आश्रय के लिए 450 करोड़.रुपये का ऐलान किया। देश के अन्य राज्यों की खुद के कर प्राप्तियों में उप्र का अंश 2024-25 में 11.6प्र. रहा, जो महाराष्ट्र के बाद सर्वाधिक है। चूंकि जनवरी 24 से दिसम्बर 24 के दरम्यान राज्य में 65 करोड़. से ज्यादा पर्यटक आए। जिनमें विदेशी पर्यटकों की संख्या 14 लाख बताई जा रही है। इसी माह केवल महाकुंभ के दौरान प्रयागराज आने वालों की संख्या 54 करोड़. आंकी जा रही है। इस सबसे सरकार को होने प्राप्त वाले जीएसटी, राजस्व व अन्य करों का सहज अंदाजा लगाया जा सकता है। मंदिरों को चढने वाले चढावे में राम मंदिर तीसरे स्थान पर आ चुका है। ऊर्जा, लिंक-एक्सप्रेस-वे, सड़कों व पुलों के निर्माण के लिए बजट में विशेष प्रावधान करने के पीछे सरकार की मंशा आम नागरिक को प्रभावित करने की भी है। हालांकि कृत्रिम मेधा व साइबर सुरक्षा को 5 व 3 करोड़.रुपये देने के ऐलान ने स्पष्ट किया कि सरकार कुछ मामलों में सिर्फ खानापूर्ति कर रही है। इन आठ सालों में सड़कों की स्थिति बेहतर हुई है, मगर सरकार के पास वाहनों के लगातार बढ़ते दबाव व सड़क दुर्घटनाओं को रोकने की कोई स्कीम नहीं है। सड़कों, एक्सप्रेस-वे, पुलों व मेट्रो के निर्माण के चलते शहरों/महानगरों की व्यवस्था चरमरा जाती है। शिक्षा-व्यवस्था, छात्रों व बेरोजगारों के साथ ही स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार लाने के लिए सरकार को बेहतर कदम उठाने होंगे। हर सेक्टर को धन मुहैया कराने की आंकड़ेबाजी तो बस रवायत है। इसका असर निचले स्तर पर व्यावहारिक तौर पर नजर भी आना जरूरी है। ?

चिंतन-मनन

दुःखी होने की बजाय दुख का उपचार करें

लोगों से अपने सुना होगा कि संसार में दुःख ही दुःख है। असफलता मिलने पर कई बार आप भी यही सोचते होंगे, जबकि वास्तविकता इससे भिन्न है। संसार में दुःख इसलिए है क्योंकि संसार में सुख है। अगर सुख नहीं होता तो दुःख का अस्तित्व भी नहीं होता है। ईश्वर हमें दुःख की अनुभूति इसलिए करवाता है ताकि हम सुख का एहसास कर पाएं, सुख के महत्व को समझें। श्रीमद्भागवद् में कहा गया है कि हमारा हर कर्म सुख पाने के लिए होता है। इसके बावजूद भी जीवन में कई बार हमें दुःख और कष्ट की अनुभूति होती है। ऐसा इसलिए होता है क्योंकि सुख और दुःख धूप-छांव एवं दिन और रात की तरह हैं। हम चाहें न चाहें दुःख को आना है। भगवान राम, श्री कृष्ण, बुध और महावीर को भी दुःख उठाना पड़ा। लेकिन इन महापुरूषों ने दुःख को गले लगाकर नहीं रखा बल्कि दुःख का उपचार किया।

दुःख रात के समान है। रात के अंधेरे को दूर करने के लिए सूर्य जिस तरह निरंतर प्रयास करता रहता है और नियत समय पर रात के अंधकार को पराजित करके दिन का प्रकाश ले आता है, इसी तरह हमें भी दुःख को दूर करने के लिए निरंतर प्रयास करते रहना चाहिए। दुःख से दुःखी होकर बैठने से दुःख और बढ़ता है लेकिन जब हम समाधान के लिए प्रयास करने लगते हैं तो दुःख का अंधेरा छंटने लगता है।

दुःख से हम जितना डरते हैं दुःख हमें उतना ही डराता है। अगर कोई यह सोचता है कि मृत्यु के बाद दुःख का अंत हो जाता है तो गरूड़ पुराण उसे जरूर पढ़ना चाहिए। गरूड़ पुराण में मृत्यु के बाद प्राप्त होने वाले कष्टों का वर्णन किया गया है। मृत्यु के बाद जीव को और भी कष्ट उठाना पड़ता है क्योंकि वहां तो शरीर भी नहीं होता है जिससे अपने दुःख का उपचार किया जा सकता है। सीता का हरण करके रावण ने राम को दुःख दिया। राम जी ने धैर्य से काम लिया और रावण जो उनके कष्ट का कारण था उसका पता लगाकर उसका अंत किया। पाण्डवों का सारा राज्य कौरवों ने छल से छीन लिया। पाण्डव अगर हाथ पर हाथ रखकर बैठ जाते और दुःख का उपचार नहीं करते तो इतिहास में उनकी वीरता और साहस का बखान नहीं मिलता। इसलिए दुःख से दुःखी होने की बजाय दुःख का उपचार करना चाहिए।

अश्लीलता एक बहाना, सोशल मीडिया पर है रोक लगाना

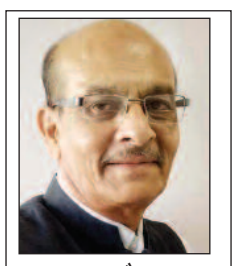

सनत जैन

डिजिटल सोशल मीडिया के प्लेटफार्म पर अश्लीलता और हिंसा दिखाए जाने की शिकायतों को लेकर सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय जल्द ही सोशल मीडिया पर नकेल कसने की तैयारी कर रहा है। इसके लिए सरकार नया कानून बनाने जा रही है। इस बार सरकार को कोर्ट का भी सहारा मिलने जा रहा है। रैना के यूट्यूब कार्यक्रम इंडियाज गोट लेटेंट में रणवीर इलाहाबदिया की अभद्र टिप्पणियों को लेकर देशभर में इस तरह के कार्यक्रमों पर रोक लगाने की बात की जा रही है। सोशल मीडिया के विभिन्न प्लेटफार्म पर जिस तरह से अश्लील वीडियो अपलोड किए जा रहे हैं, उसको लेकर भी आम जनता में रोष है। यह मामला न्यायालय में विचाराधीन है। न्यायालय ने अश्लीलता और हिंसक वीडियो को रोकने के लिए केंद्र सरकार से जवाब मांगा है। सरकार के लिए यह मौका है, जब सोशल मीडिया को नियंत्रित करने के लिए कानून को अपनी मनमर्जी से पास करा सकती है। इसके पहले भी सरकार द्वारा सोशल मीडिया पर सेंसरशिप लगाने के प्रयास किए गए थे। अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर नियंत्रण को लेकर विरोध के कारण सरकार को तब सफलता नहीं मिली थी। अब खुद न्यायालय द्वारा सरकार से सोशल मीडिया के इस तरह के प्लेटफार्म पर कानून बनाने और उस पर नियंत्रण करने की बात कही गई है। इससे केंद्र सरकार को एक नया मौका मिल गया है। सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय ने यह मामला संसदीय समिति की ओर भेज कर समाज में बढ़ रही हिंसा, यूट्यूब, गूगल, इंस्टाग्राम, फेसबुक जैसे सोशल मीडिया के प्लेटफार्म के लिए कानून बनाने के लिए समिति से सलाह मांगी है। सोशल मीडिया के जरिए किस तरह से संवैधानिक अधिकारों का दुरुपयोग किया जा रहा है, इसको रोकने के लिए कानून में क्या प्रावधान किए जाएं? इसको लेकर सरकार का सूचना प्रसारण मंत्रालय सक्रिय हो गया है। सोशल मीडिया के विभिन्न प्लेटफार्म में हो रहीं सरकार की आलोचनाओं तथा सोशल मीडिया में आम नागरिक पत्रकार बनकर वीडियो डालकर जो सत्य उजागर कर रहा है। इससे सरकार और प्रशासन की मुश्किलें बढ़ रही हैं। सरकार सोशल मीडिया पर सबको रोकना चाहती है। हाल ही में महाकुंभ और दिल्ली की रेलवे स्टेशन में जो भगदड़ की घटनाएं हुई हैं। नागरिकों ने घटना के जो वीडियो बनाए थे। वह सोशल मीडिया में डाल दिए। जिसके कारण केंद्र सरकार, उत्तर प्रदेश सरकार और रेल मंत्रालय को आलोचनाओं का शिकार होना पड़ रहा है। जवाबदेही भी तय होने लगी है। पिछले एक दशक में इलेक्ट्रॉनिक और प्रिंट मीडिया को सरकार ने पूरी तरह से अपने नियंत्रण में ले लिया है। सोशल मीडिया पर सरकार कोई नियंत्रण नहीं बना पा रही है। सरकार को लग रहा है, इससे अच्छा मौका दोबारा नहीं मिलेगा। इस समय सुप्रीम कोर्ट में रणवीर इलाहाबदिया की अवैध टिप्पणियों को लेकर जन मानस में रोष है। सुप्रीम कोर्ट भी नाराज है। ऐसी स्थिति मे सरकार जो कानून बनाने जा रही है, उसके बारे में कहा जा रहा है कि सरकार सोशल मीडिया में अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को नियंत्रित करने के लिए, इस तरह के प्रावधान लेकर आ रही है। जिसमें नागरिकों की अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता सरकार के नियम और कानूनो के अधीन हो। डिजिटल प्लेटफॉर्म पर आम नागरिकों को नियंत्रित किया जा सके। सरकार की मर्जी से डिजिटल प्लेटफॉर्म पर वही उपलब्ध हो जो सरकार चाहती है। बहरहाल इस बार रणवीर इलाहाबादियां ने डिजिटल प्लेटफॉर्म को नियंत्रित करने के लिए सरकार के लिए एक नया रास्ता खोल दिया है। सरकार को लगता है कि इस बार डिजिटल बिल को लेकर न्याय पालिका का संरक्षण सरकार को मिलेगा। जिस तरह से मैन स्ट्रीम मीडिया में सरकार के खिलाफ कुछ भी उजागर नहीं किया जाता है। मेन स्ट्रीम मीडिया पर सरकार ने पूरी तरह से नियंत्रण कर चुकी है। वही स्थिति आगे चलकर सोशल मीडिया के विभिन्न प्लेटफार्म की ना हो जाए। यह आशंका गहराने लगी है। रेल मंत्रालय ने सोशल मीडिया एक्स और यूट्यूब पर जो वीडियो दिल्ली रेलवे स्टेशन की भगदड़ के हैं, उन्हें कानून व्यवस्था की स्थिति का आधार बनाकर वीडियो हटाने के निर्देश दिए हैं। डिजिटल प्लेटफॉर्म पर नकेल कसने के लिए केंद्र सरकार जो नया कानून लाने जा रही है। उसके लिए सभी को सजग रहने की जरूरत है। हुआ- हुआ, या कौवा कान ले गया, के चक्कर में कहीं हमारी अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता समाप्त न हो जाए। इस बात पर ध्यान रखने और सजग रहने की जरूरत है।

वैश्विकी : ट्रंप का तूफानी एक महीना

डॉ. दिलीप चौबे

अमेरिका में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के कार्यकाल को अभी केवल एक महीना हुआ है, लेकिन इसी अवधि में लगता है कि दुनिया में बहुत कुछ बदल गया है।

इस नये कार्यकाल की शुरूआत में ट्रंप प्रशासन ने जो फैसले किए हैं उससे अमेरिका की घरेलू राजनीति और अंतरराष्ट्रीय राजनीति का नक्शा बदल रहा है। सब कुछ इतनी तेज रफ्तार से हो रहा है कि अमेरिका के मित्र और सहयोगी देश सकते में हैं। विरोधी देश भी आशंका के साथ ट्रंप के अगले कदम का इंतजार कर रहे हैं।

पहले कार्यकाल की तुलना में इस बार ट्रंप के पास एक मजबूत कैबिनेट या टीम है। उन्होंने जिन लोगों को सहयोगी के रूप में चुना है उन्हें लेकर काफी विवाद की स्थिति रही। पहले यह लग रहा था कि राष्ट्रीय खुफिया प्रमुख के रूप में तुलसी गबार्ड और संघीय जांच ब्यूरो (एफबीआई) के प्रमुख के रूप में काश पटेल की नियुक्ति को सीनेट खारिज कर सकती है। इन सारे विरोध के बावजूद इन दोनों व्यक्तियों की नियुक्ति पर सीनेट की मुहर लग गई। यह कहा जा सकता है कि ट्रंप की विदेश नीति के निर्धारण में तुलसी गबार्ड की भूमिका महत्त्वपूर्ण होगी। तुलसी बार-बार यह कह चुकी हैं कि ट्रंप शांति के पक्षधर राष्ट्रपति होंगे। वह नया युद्ध शुरू करने के बजाय मौजूद संघर्ष को समाप्त करने के लिए निर्णायक पहल करेंगे। यूक्रेन संघर्ष को समाप्त करने के लिए अमेरिका रूस के बीच वार्ता भी इसी लक्ष्य से प्रेरित है। इस संदर्भ में ट्रंप ने यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की को लेकर जैसा उपहास किया हुआ वह उनकी चिर-परिचित शैली के अनुरूप है। लेकिन यह निश्चित है कि शुरू आती दौर में ही ट्रंप ने अपनी विदेश नीति के रूपरेखा तय कर दी है।

यदि यह जारी रही तो दुनिया पहले की तुलना में अधिक शांतिपूर्ण और स्थिरता वाली होगी। आश्चर्यजनक रूप से ट्रंप चीन के खिलाफ भी संयत रवैया अपनाए हुए हैं। अमेरिका में शक्तिशाली से सैन्य उद्योग और हथियारों के कारोबारी ट्रंप की नीतियों के संदर्भ में अपने नफा-नुकसान का लेखा-जोखा ले रहे हैं। वे ट्रंप को अपना रास्ता बदलने के लिए बाध्य कर सकेंगे या नहीं यह आने वाले दिनों में स्पष्ट होगा। घरेलू मोर्चे पर हालात दुरुस्त करने की जिम्मेदारी काश पटेल पर है। उन्हें डोनाल्ड ट्रंप का बाहुबली माना जाता है। उनकी तुलना अभी से एफबीआई के ह्यसर्वशक्तिमानह्न प्रमुख एडगर हूबर से की जा रही है। हूबर करीब 50 वर्षों तक खुफिया एजेंसी के प्रमुख रहे थे। उनके कार्यकाल के दौरान 6 राष्ट्रपति आए और गए। हूबर इतने शक्तिशाली थे कि राष्ट्रपति भी उनसे खौफ खाते थे। काश जैसे कम उम्र और कम अनुभवी व्यक्ति की तुलना हूबर से किया जाना बहुत कुछ बयां करता है। विपक्षी डेमोक्रेटिक पार्टी के नेता ही नहीं बल्कि रिपब्लिकन पार्टी के असंतुष्ट नेता भी काश पटेल से भयभीत हैं। इतना ही नहीं सीएनएन और वाशिंगटन पोस्ट जैसे मीडिया संस्थानों के नामी-गिरामी पत्रकार भी चिंतित हैं। काश पटेल पहले ही यह ऐलान कर चुके हैं कि ट्रंप के खिलाफ दुष्प्रचार करने वाले मीडिया संस्थानों और पत्रकारों की खबर ली जाएगी। लेकिन भारत के लिए काश की नियुक्ति एक अच्छी बात है। जेहादी और खालिस्तान समर्थक अमेरिका को सुरक्षित पनाहगाह के रूप में इस्तेमाल नहीं कर सकेंगे। गुरपतवंत सिंह पन्नू जैसे आतंकवादियों को नया ठिकाना ढूंढना होगा।

भारत की घरेलू राजनीति में विदेशी हस्तक्षेप के संबंध में ट्रंप के हालिया बयानों को लेकर राजनीतिक भूचाल सा आ गया है। एलन मस्क की अगवाई वाले सरकार दक्षता विभाग (डीओजीई) ने भारत की चुनाव प्रक्रिया में दखलअंदाजी करने के लिए करीब 180 करोड रु पये का आवंटन किए जाने का खुलासा किया है। ट्रंप ने यह चौंकाने वाला बयान दिया कि यह धनराशि मोदी के बजाय किसी अन्य व्यक्ति को चुनाव जिताने के लिए थी।

ट्रंप के इस बयान का प्रतिवाद करने के लिए अमेरिका की मीडिया में रिपोर्ट प्रकाशित की जा रही हैं। लेकिन ट्रंप बार-बार अपने इस बयान को दोहरा रहे हैं। ट्रंप ने यह भी कहा कि बांग्लादेश की राजनीति को प्रभावित करने के लिए करीब 3 करोड़ डॉलर निर्धारित किए गए। बांग्लादेश में क्या हुआ यह दुनिया के सामने है। विदेशी पैसे के बलबूते तीसरी दुनिया के देशों में अमेरिका ऐसा खेल खेलता रहा है। लगता है ट्रंप टीम इस पर विराम लगाना चाहती है।

फरीदाबाद निगम में 200 करो? के घोटाले का करारा जवाब देगी जनता : दीपेन्द्र हुड्डा

● फरीदाबाद निगम में 200 करो? के घोटाले का करारा जवाब देगी जनता: दीपेन्द्र हुड्डा ● निगम में व्याप्त बेलगाम भ्रष्टाचार को खतम करने के लिए बीजेपी को हराना जरूरीकी शिरकत

Faridabad/Alive News

सांसद दीपेन्द्र हुड्डा ने आज कांग्रेस प्रत्याशियों के समर्थन में तिगाँव हलके में बदरपुर बाईपास से बसंतपुर, सेहतपुर, पल्ला से होते हुए मथुरा रोड तक रोड शो किया और फरीदाबाद एनआईटी विधान सभा में झाड़सैंतली में एक जनसभा को संबोधित कर कांग्रेस की मेयर प्रत्याशी लता रिंकू चंदीला व पार्षद प्रत्याशियों को विजयी बनाने की अपील की।

उन्होंने कहा कि बीजेपी के भ्रष्टाचार का ट्रिपल इंजन घोटाले पर घोटाले किये जा रहा है। नगर निगमों में भारी भ्रष्टाचार को बडावा देकर बेशुमार लूट-खसोट हुई। सरकार घोटाले के जिम्मेदारों पर कार्रवाई करने की बजाय घोटाले की खबरों को दबाने और घोटालेबाजों को बचाने की कोशिशें करती रही। अकेले फरीदाबाद नगर निगम में 200 करोड का घोटाला कर दिया। कागजों पर ही काम हो गया, बिना काम कराये ही पेमेंट कर दी गई और सारा पैसा घोटालेबाज डकार गए। हार्डवेयर-प्याली पेरिफेरी रोड निर्माण में 16 करोड़ रुपये के घोटाले का मामला उजागर हुआ। सुलभ शौचालय तक में घोटाला कर दिया गया। हर जगह केवल करप्शन ही करप्शन किया गया।

सरकार ने आज तक किसी भी मामले में न कोई जांच कराई, न तो दोषियों के खिलाफ कोई कार्रवाई की। लोगों पर लाखों रुपये के प्रापर्टी टैक्स थोप दिये गये। उन्होंने कहा कि ट्रिपल इंजन की सरकार पहले भी थी सबसे छोटे इंजन का काम लूटना और उपर वाले दोनों इंजन का काम संरक्षण देना था। निगम में व्याप्त बेलगाम भ्रष्टाचार को खतम करने के लिए बीजेपी को हराना जरूरी है। जनता फरीदाबाद निगम में 200 करोड के घोटाले का करारा जवाब देगी।

दीपेन्द्र हुड्डा ने कहा कि फरीदाबाद ही नहीं पूरे हरियाणा की दुर्दशा के लिये बीजेपी सरकार जिम्मेदार है, उसने प्रदेश का भट्ठा बैठा दिया। उन्होंने कहा कि फरीदाबाद सबसे ज्यादा टैक्स देता है लेकिन फरीदाबाद को न तो साफ हवा मिलती है, न साफ पानी, न साफ सफाई, न ही अच्छी सडकें। भाजपा सरकार ने फरीदाबाद को स्मार्ट सिटी बनाने के नाम पर नरक सिटी में बदल दिया। साफ-सफाई का इतना बुरा हाल है कि जरा सी बारिश होते ही सारी व्यवस्था ध्वस्त हो जाती है। पानी जमा होने के चलते शहर का अधिकांश हिस्सा तालाब के रूप में तब्दील हो जाता है। ग्रीन फील्ड कॉलोनी अंडरपास हो या ओल्ड फरीदाबाद अंडरपास ज्यादातर अंडरपास जलमग्न हो जाते हैं। जिससे कई किलोमीटर लंबा जाम लग जाता है और लोगों को भारी दिक्कतों का सामना करना पडता है।

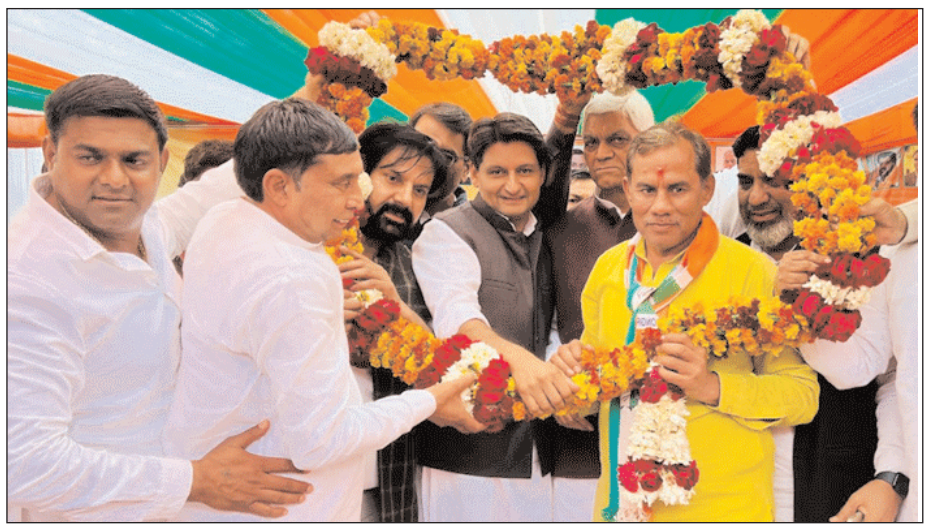

उन्होंने आगे कहा कि बीजेपी सरकार 5 तरफ से फरीदाबाद में टोल वसूल रही है लेकिन यहाँ के लिए कोई काम नहीं कर रही। फरीदाबाद में सडकें टूटी हुई हैं, सडकों पर बडे-बडे गड्ढे इस शहर पर बदनुमा दाग की तरह दिखते हैं। जर्जर सीवर लाइन और पीने के पानी की लाइन एक हो गई है जिससे प्रदूषित पानी की समस्या विकराल हो चुकी है। लोगों को पीने का पानी भी खरीदकर पीना पड रहा है।

उन्होंने आगे कहा कि फरीदाबाद के चारों तरफ टोल लगाकर वसूली हो रही है, प्रदूषण के हालात बेकाबू हैं, फरीदाबाद को कचरा सिटी बना दिया। कांग्रेस सरकार के समय गरीबों को मिल रही 100-100 गज के मुफ्त प्लॉट की योजना बंद करने वाली बीजेपी सरकार ने यहाँ 5000 गरीब परिवारों के घर पर बुल्डोजर चलाकर उन्हें उजाड दिया। अरावली की जमीनों को बडे उद्योगपतियों के हवाले किया जा रहा है। अवैध खनन घोटाला, शराब घोटाला, रजिस्ट्री घोटाला, भर्ती घोटाला समेत कई दर्जन घोटाले इस सरकार ने अंजाम दे डाले।

दीपेन्द्र हुड्डा ने कहा कि चुनाव के समय बीजेपी ने कहा था कि HKRN के जरिए लगे कर्मचारियों को पक्का करेंगे लेकिन अब उनको हटाया जा रहा है, सफाई कर्मचारी पक्के होना तो दूर, कई महीनों से सफाई कर्मचारियों की तनख्वाह भी नहीं आ रही। 75त्र लोगों के पीले कार्ड काटे जा रहे हैं। इससे स्पष्ट होता है कि बीजेपी झूठ बोलने वाली पार्टी है। पिछले 11 वर्षों में विकास की कोई बडी परियोजना नहीं आई। मिनी स्टेडियम, अंतर्राष्ट्रीय स्टेडियम का बुरा हाल है। हर कालोनी में सीवर ओवरड्लो, टूटी सडकों का दृश्य आम है। जगह-जगह कूडे के ढेर लगे हुए हैं। शहर में बढ़ते कैंसर मामलों का मुख्य कारण बंधवाड़ी और नहरपार कूड़ा निस्तारण केंद्र हैं जिन्हें हटाना हमारा प्रमुख लक्ष्य रहेगा।

इस अवसर पर प्रमुख रूप से विधायक आफताब अहमद, विधायक रघुबीर तेवतिया, पूर्व विधायक नीरज शर्मा, विवेक प्रताप, उदय करण दलाल, लता रानी चंदीला, मुकेश हेतराम डागर, मुकेश शर्मा, रिंकू चंदीला, जगन डागर, ठाकुर राजा राम, गिरीश भारद्वाज, सुमित गौड, वेदपाल दायमा, दालचंद, किशन अत्री, संजय सोलंकी, गजना लांबा समेत बडी संख्या में स्थानीय गणमान्य लोग मौजूद रहे।

नगर निगम का बजट 2500 करोड़ रूपये, पर जनता बेहाल है: विजय प्रताप

फरीदाबाद। चुनावी समर में कांग्रेस पार्टी पर तंज कसने वाले केन्द्रीय राज्यमंत्री कृष्णपाल गुर्जर को बडख़ल विधानसभा क्षेत्र से कांग्रेस के प्रत्याशी रहे वरिष्ठ कांग्रेसी नेता विजय प्रताप सिंह ने चुनौती देते हुए कहा कि नगर निगम का बजट 2500 करोड़ है और भाजपा की ट्रिपल इंजन सरकार को राज करते हुए को 11 साल हो गए, फरीदाबाद स्मार्ट सिटी तो नहीं बना लेकिन कचरा सिटी जरूर बन गया है, वह मीडिया को लेकर केन्द्रीय राज्यमंत्री कृष्णपाल गुर्जर के साथ शहर का दौरा करने के चले तब ट्रिपल इंजन सरकार के राज में शहर की क्या दुर्दशा हो रही है वह सबके सामने आ जाएगी। जनता विकास कार्यों के लिए तरस रही है। विकास कार्यों का पैसा भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ जाता है और आज भी भाजपाई जनता भ्रमित कर रहे हैं कि अगर भाजपा के प्रत्याशी नहीं जीते तो विकास कार्य नहीं होगें। यह बातें आज वरिष्ठ कांग्रेसी नेता विजय प्रताप सिंह ने प्रेस वार्ता को सम्बोधित करते हुए कहीं। इस अवसर पर उनके साथ कांग्रेस मेयर प्रत्याशी लता रानी गुर्जर के पति रिंकू चंदीला, निर्वतमान पार्षद एडवोकेट राकेश भड़ाना, ओ पी गौड, इशांत कथूरिया, बलजीत सिंह, अनिल अरोड़ा (राजू) भी उपस्थित थे। उन्होंने कहा कि भाजपाई फरीदाबाद की बात न करके केवल ट्रिपल इंजन की बात करते हैं ताकि वह तीनों तरफ से सबको लूट कर सके। क्योंकि 200 करोड़ घोटाले की फाइल में इनके आला नेताओं के नाम हैं। घोटालों की ऐसी 25 फाइलें थी जिन्हें जला दिया गया, इनमें 200 करोड़ के घोटाले की तो एक फाइल है। इन्हें 200 करोड़ के घोटाले, विकास और अपने रिपोर्ट कार्ड की बात पर वोट मांगनी चाहिए थी। सभी को पता है कि ग्राउंड लेबल पर लोग भाजपा से नाराज हैं । लोगों की नाराजगी देखते हुए इन्होंने अपने की कर्मठ लोगों की टिकट काट दी और हां में हां मिलाने वाले लोगों को टिकट दी है, इन्होंने अपने की पूर्व पार्षदों के साथ धोखा किया।

निकाय चुनाव से पहले भाजपा पार्षद प्रत्याशी कुलदीप साहनी निर्विरोध निर्वाचित

▸▸ चुनाव में पराये माने, लेकिन अपने ही गिराएंगे नशेमन पर बिजलियां...

● वार्ड नंबर 36 में सभी प्रतिद्वंदियों ने लिए नामांकन लिए वापिस,
● कुलदीप साहनी को चुनाव से पहले मिला प्रमाण पत्र
● बिना चुनाव लड़े ही जीत गए कुलदीप साहनी
● चुनावी मैदान में भाजपा के विपक्ष में डटे हैं रविकांत-संजय महेंद्रू

Faridabad/Alive News

नगर निगम के चुनाव में वार्ड नंबर 36 में भाजपा के पार्षद पद के प्रत्याशी कुलदीप साहनी निर्विरोध निर्वाचित हुए हैं। इस वार्ड से कांग्रेस उम्मीदवार राहुल चौधरी ने नाम वापस लेकर भाजपा के पार्षद पद के प्रत्याशी कुलदीप साहनी को अपना समर्थन दे दिया। इसी वार्ड में एक आजाद उम्मीदवार जगदीप गौड़ ने भी अपना नामांकन वापस लेकर कुलदीप साहनी को समर्थन दे दिया। इस वार्ड में कुल तीन प्रत्याशियों ने नामांकन किया था। कांग्रेस के प्रत्याशी ने ये कहते हुए नामांकन वापस लिया कि उसको जबरन टिकट दिया गया है और उसको कोई भी कांग्रेस का नेता मदद नहीं कर रहा है। आजाद उम्मीदवार जगदीप गौड़ ने अपना नामांकन वापस लेने के बारे में कोई वजह नही बताई है। उनका कहना है कि विकास के लिए उन्होंने अपना नामांकन वापस लिया है। सभी प्रतिद्वंदियों द्वारा नामांकन वापसी लेने के चलते भाजपा के पार्षद पद के प्रत्याशी कुलदीप साहनी को निर्विरोध निर्वाचित घोषित कर उन्हें प्रमाण पत्र सौंप दिया गया। उनके समर्थकों ने लड्डू बांटकर जीत का जश्न मनाया। वहीं दूसरी तरफ चुनाव में पराये तो मान गए हैं लेकिन अपने ही गिराएंगे नशेमन पर बिजलियां...भाजपा पार्टी के विद्रोही नेता वार्ड नंबर 16 में भाजपा नेता संजय महेंद्रू और वार्ड नंबर-26 से पूर्व पार्षद सोमलता भड़ाना। जिसके बाद उन्होंने आजाद प्रत्याशी के रूप में पर्चा भर दिया। वार्ड नंबर 16 में भाजपा नेता संजय महेंद्रू ने भाजपा प्रत्याशी मनोज नासवा के सामने आजाद प्रत्याशी के रूप में नामांकन कर चुनावी मैदान में डटे हुए हैं। दोनों को मनाने की कोशिश बेनतीजा रही है। दोनों ही भाजपा के नेताओं पर गंभीर आरोप लगा रहे हैं। राहुल चौधरी के एकाएक से कांग्रेस छोड़ने से कांग्रेस की ये सीट खाली हो चुकी है और कांग्रेस को बड़ा झटका लगा है। इस वार्ड में चुनावी मुकाबला आजाद उम्मीदवार जगदीप गौर और कुलदीप सिंह के बीच रह गया है। कांग्रेस प्रत्याशी रहे राहुल चौधरी ने भाजपा में शामिल होने के बाद कांग्रेस के नेताओं पर उनको जबरन टिकट देने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि टिकट देने के बाद कांग्रेस के नेताओं ने मेरा साथ नहीं दिया। उन्होंने कहा कोई भी बड़ा नेता मेरा समर्थन देने के लिए तैयार नहीं हुआ, जिस कारण मैने नामांकन वापस लेकर भाजपा को समर्थन दिया है।

वार्ड-26 से आजाद प्रत्याशी रवि कांत भड़ाना चुनावी मैदान में डटे

बीजेपी के दो नेताओं ने नामांकन वापसी के आखरी दिन अपना नामांकन वापस नहीं लिया है। इन नेताओं ने बीजेपी से टिकट ना मिलने पर आजाद कैंडिडेट के रूप में पर्चा भरा था। इनमें से एक जिला महिला मोर्चा की उपाध्यक्ष है, तो दूसरा जिला भाजपा कार्यकारिणी का सदस्य रहे हैं। वार्ड नंबर 26 से आजाद प्रत्याशी के रूप में नामांकन करने वाली 40 साल की सोमलता भड़ाना जिला महिला मोर्चा की उपाध्यक्ष हैं। उनके पति रवि भड़ाना केंद्रीय राज्य मंत्री कृष्णपाल गुर्जर के समर्थक है। लोकसभा और विधानसभा चुनाव में उन्होंने बीजेपी के लिए वोट मांगे थे। लेकिन बीजेपी से पार्षद का टिकट लाल कुमार कुमार मिश्रा को मिल गया।

चुनाव से पहले कांग्रेस प्रत्याशी राहुल चौधरी ने लिया नामांकन वापस

फरीदाबाद। हरियाणा के फरीदाबाद में नगर निगम के चुनाव में कांग्रेस को बड़ा झटका लगा है। वार्ड नंबर-36 में कांग्रेस की टिकट पर पार्षद पद का चुनाव लड़ने वाले प्रत्याशी राहुल चौधरी ने अपना नामांकन वापस लेकर भाजपा को अपना समर्थन दे दिया है। कैबिनेट मंत्री विपुल गोयल ने राहुल चौधरी को भाजपा में शामिल कराया। राहुल चौधरी ने कांग्रेस के नेताओं पर भी कई आरोप लगाए हैं। ओल्ड फरीदाबाद के रहने वाले राहुल चौधरी ने 17 फरवरी को कांग्रेस की टिकट पर पार्षद पद के लिए अपना नामांकन भरा था। लेकिन 19 फरवरी को उन्होंने अपना नामांकन वापस लेकर भाजपा के कुलदीप सिंह को अपना समर्थन दे दिया है।

Expert Lecture held at J.C. Bose University of Science and Technology

Faridabad/Alive News:

The Department of Communication and Media Technology of JC Bose University of Science and Technology organized an expert lecture on the topic Media Literacy and Fact Checking for the students of the department. The key speakers of the session were Shri Rahul Namboori, co-founder and Editor-in-chief of Fact Crescendo and Shri Mayur Deokar, fact checker and media literacy trainer. Dr Pawan Singh, Chairperson of the Department of Communication and Media Technology, welcomed the esteemed guests by presenting them a memento. Dr.Pawan Singh said it is very important for students to be aware and alert along with education. Mayur Deokar, Experienced journalist and media fact checker, made the students aware of the nuances of Digital Scams. Throwing light on the ways to scam an individual , he introduced the students to the steps involved in the fraudulent schemes of swindlers. He also told the students about the possible techniques through which one can avoid getting trapped in such activities. While telling the students about the importance of privacy, Rahul shared his personal narratives on various frauds and the use of deception to gain trust in order to carry out the sequence of scams. The speakers taught the students about the relevance of passkeys and strong passwords to keep their data safe and secure. Apart from this, they also taught the scholars to fact check data and secure information through practical applications. The speakers urged the students to stay media literate in their lives and also do thorough research before trusting anything on the internet. On this occasion, department chairperson Dr. Pawan Singh , Assistant Professor Dr.Sonia Hooda, Assistant Professor Dr. Rahul Arya were present. Students of second year of BA Journalism and Mass Communication and first year of MA Journalism and Mass Communication participated enthusiastically in this expert lecture.

धूमधाम से महाराष्ट्र मित्र मंडल ने मनाई छत्रपति शिवाजी जयंती

Faridabad/Alive News

महाराष्ट्र मित्र मंडल द्वारा 19 फरवरी को छत्रपति शिवाजी महाराज की जयंती माताजी चौक पर धूमधाम से मनाई गई। मंडल के कार्यकर्ताओ ने राजमाता जीजाबाई एवं बाल छत्रपति शिवाजी की मूर्ति पर माल्यार्पण किया एवं पूजा अर्चना की। मंडल अध्यक्ष राजेन्द्र पांचाल ने बताया कि शिवाजी महाराज के बारे में बताते हुए यह कहा की छत्रपति शिवाजी महाराज का जन्म 19 फरवरी 1627 को मराठा परिवार में शिवनेरी (महाराष्ट्र) में हुआ था। शिवाजी के पिता का नाम शाहजी एवं माता का नाम जीजाबाई था। शिवाजी महाराज एक भारतीय शासक थे। जिन्होंने मराठा साम्राज्य खड़ा किया था। वे बहुमुखी प्रतिभा के धनी थे। वे बहादुर, बुद्धिमानी, शौर्य वीर और दयालु शासक थे। इसलिए उन्हें एक अग्रगण्य वीर एवं अमर स्वतंत्रता-सेनानी स्वीकार किया जाता है। माता जीजाबाई धार्मिक स्वभाव वाली होते हुए भी गुण-स्वभाव और व्यवहार में वीरांगना नारी थीं। इसी कारण उन्होंने बालक शिवा का पालन-पोषण रामायण, महाभारत तथा अन्य भारतीय वीरात्माओं की उज्ज्वल कहानियां सुना और शिक्षा देकर किया था। दादा कोणदेव के संरक्षण में उन्हें सभी तरह की सामयिक युद्ध आदि विधाओं में भी निपुण बनाया था। धर्म, संस्कृति और राजनीति की भी उचित शिक्षा दिलाई थी। उस युग में परम संत रामदेव के संपर्क में आने से शिवाजी पूर्णतया राष्ट्रप्रेमी,कर्तव्यपरायण एवं कर्मठ योद्धा बन गए। बचपन में शिवाजी अपनी आयु के बालक इकट्ठे कर उनके नेता

बनकर युद्ध करने और किले जीतने का खेल खेला करते थे। युवावस्था में आते ही उनका खेल वास्तविक कर्म शत्रु बनकर शत्रुओं पर आक्रमण कर उनके किले आदि भी जीतने लगे। जैसे ही शिवाजी ने पुरंदर और तोरण जैसे किलों पर अपना अधिकार जमाया, वैसे ही उनके नाम और कर्म की सारे दक्षिण में धूम मच गई। यह खबर आग की तरह आगरा और दिल्ली तक जा पहुंची। अत्याचारी किस्म के यवन और उनके सहायक सभी शासक उनका नाम सुनकर ही डर के मारे बगलें झांकने लगे थे। शिवाजी के बढ़ते प्रताप से आतंकित बीजापुर के शासक आदिलशाह जब शिवाजी को बंदी न बना सके तो उन्होंने शिवाजी के पिता शाहजी को गिरफ्तार किया और यह बात पता चलने पर शिवाजी आग बबूला हो गए। उन्होंने नीति और साहस का सहारा लेकर छापामारी कर जल्द ही अपने पिता को इस कैद से आजाद कराया। तब बीजापुर के शासक ने शिवाजी को जीवित अथवा मुर्दा पकड़ लाने का आदेश देकर अपने सेनापति अफजल खां को भेजा।

चुनाव निष्पक्ष और शांतिपूर्वक करवाने के लिए निष्ठा से कार्य करें अधिकारी : सामान्य पर्यवेक्षक

Faridabad/Alive News

नगर निगम फरीदाबाद के चुनाव निष्पक्ष, पारदर्शी और शांतिपूर्वक करवाने के दृष्टिगत हरियाणा चुनाव की ओर से नियुक्त किए सामान्य पर्यवेक्षक अनीता यादव ने पुलिस पर्यवेक्षक डा. राजश्री सिंह और व्यय पर्यवेक्षक सुनीला सिंह के साथ बुधवार को जिला सचिवालय स्थित सभागार में चुनाव से संबंधित अधिकारियों के साथ बैठक की। सामान्य पर्यवेक्षक अनीता यादव ने निर्वाचन आयोग के निर्देशों की दृढ़ता से पालन सुनिश्चित करने को लेकर अधिकारियों को जरूरी दिशा-निर्देश दिए। वहीं बैठक में जिला निर्वाचन अधिकारी एवं डीसी विक्रम सिंह ने नगर निगम चुनाव में मतदाताओं को अधिक से अधिक संख्या में भागीदारी करने का आह्वान किया। बैठक में सामान्य पर्यवेक्षक अनीता यादव ने कहा कि नगर निगम फरीदाबाद चुनाव निष्पक्ष, पारदर्शिता और शांतिपूर्वक संपन्न हो, इसके लिए सभी अधिकारी व कर्मचारी चुनाव आयोग द्वारा दी गई हिदायतों की दृढ़ता के साथ पालन करते हुए अपनी चुनावी ड्यूटी करें। चुनाव के दौरान लापरवाही की कोई गुंजाइश नहीं होती है, इसलिए पूरी जिम्मेदारी के साथ अपना कर्तव्य करें। उन्होंने मतदान केंद्रों पर सभी जरूरी सुविधाएं समय रहते पूरी होना सुनिश्चित करने के भी संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए। इसके अलावा उन्होंने अधिकारियों से बूथों, वार्डों और वोटर की संख्या सहित चुनावी संबंधित अन्य जानकारियों को लेकर दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने ईवीएम-वीवीपैट व स्ट्रॉन्ग रूम को लेकर किए गए प्रबंधों के बारे में भी जानकारी लेते हुए कहा कि चुनाव आयोग द्वारा जारी की गई हिदायतों के अनुरूप ही सभी कार्य व प्रबंध करवाए जाएं। इस अवसर पर पुलिस पर्यवेक्षक डा. राजश्री सिंह ने भी चुनाव के दौरान सुरक्षा एवं भयमुक्त माहौल को लेकर पुलिस अधिकारियों दिशा-निर्देश देते हुए कहा कि चुनाव के दौरान समय-समय मार्च पास्ट निकाला जाए। वहीं संवेदनशील जगहों पर पुलिस गश्त भी बढ़ाई जाए। वहीं मतदान के दिन मतदान केंद्रों पर पुलिस पूरी जिम्मेदारी और सतर्कता के साथ ड्यूटी करें। वहीं व्यय पर्यवेक्षक ने भी चुनावी खर्च से संबंधित अधिकारियों को पूरी जिम्मेदारी के साथ हर गतिविधियों पर निगरानी रखने को लेकर दिशा-निर्देश दिए।

सभी बूथों पर मेयर तथा पार्षद प्रत्याशी के लिए अलग-अलग होगी ईवीएम

जिला निर्वाचन अधिकारी विक्रम सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि फरीदाबाद नगर निगम में मेयर पद के लिए पहली बार मतदाताओं द्वारा वोट के माध्यम से चुनाव करवाया जा रहा है। हरियाणा चुनाव आयोग द्वारा जारी हिदायतों के अनुरूप फरीदाबाद नगर निगम के सभी बूथों पर मेयर प्रत्याशी और पार्षद प्रत्याशियों के लिए अलग-अलग ईवीएम और वीवीपैट का प्रयोग किया जाएगा। उन्होंने मतदाताओं से आह्वान किया कि वे नगर निगम चुनाव में अधिक से अधिक संख्या में मतदान करें।

राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो की मासिक रैंकिंग में 10वीं बार प्रथम स्थान पर रही हरियाणा पुलिस

साइबर हेल्पलाइन पर 100 प्रतिशत कॉल अटेंड करने में भी हरियाणा रहा प्रथम स्थान पर

Chandigarh/Alive News

राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो, गृह मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा क्राइम एंड क्रिमिनल ट्रैकिंग नेटवर्क सिस्टम (सीसीटीएनएस) की मासिक रैंकिंग मे हरियाणा पुलिस ने वर्ष-2024 में 10वीं बार प्रथम स्थान प्राप्त किया है। इसके लिए पुलिस महानिदेशक शत्रुजीत कपूर ने सीसीटीएनएस की पूरी टीम को बधाई दी है। राज्य अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो(एससीआरबी) के निदेशक शिवास कबिराज ने बताया कि सीसीटीएनएस को विकसित करने का उद्देश्य अपराध की जांच और अपराधियों की धरपकड़ के लिए एक व्यापक और एकीकृत प्रणाली विकसित करना है। पुलिस महानिदेशक शत्रुजीत कपूर के अगस्त-2023 में पदभार संभालने उपरांत एससीआरबी में तकनीकी कार्यक्षमता बढ़ाने व कार्यप्रणाली को बेहतर करने हेतु कई सकारात्मक बदलाव किए गए जिसके परिणामस्वरूप पिछले 17 महीनों में 15 बार एनसीआरबी की मासिक रैंकिंग में हरियाणा पुलिस प्रथम स्थान पर रही। उन्होंने बताया कि केंद्र सरकार द्वारा जारी की जा रही इस मासिक रैंकिंग में विभिन्न मापदंडों पर प्रदेश पुलिस ने बेहतरीन प्रदर्शन किया है। हरियाणा पुलिस ने अगस्त व सितंबर-2024 में 99.99 प्रतिशत स्कोर के साथ देश भर में तीसरा स्थान प्राप्त किया था जबकि अन्य माह में हरियाणा पुलिस ने शत-प्रतिशत अंक प्राप्त किए हैं। वर्तमान में सीसीटीएनएस के माध्यम से प्रदेश पुलिस द्वारा प्राथमिकी पंजीकरण, गैर संज्ञेय रिपोर्ट, मेडिको लीगल केस, गुमशुदा व्यक्ति, खोई हुई संपत्ति, लापता मवेशी, विदेशी पंजीकरण, सी-

फार्म, लावारिस/परित्यक्त संपत्ति, अज्ञात/पाया व्यक्ति, निवारक कार्यवाही, पर्यवेक्षण रिपोर्ट/प्रगति का पंजीकरण, अज्ञात मृत शरीर/अस्वाभाविक मृत्यु पंजीकरण, अनुसंधान संबंधी कार्य, शिकायतों के पंजीकरण, डेटाबैंक सेवाएं आदि कार्य किए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि सीसीटीएनएस की रैंकिंग में प्रदेश पुलिस लगातार अच्छा प्रदर्शन कर रही है। सीसीटीएनएस का प्रयोग पुलिस की तरफ से अपराध व अपराधियों का डेटाबेस तैयार करने के लिए किया जाता है। इसी क्रम में स्टेट क्राइम रिकॉर्ड ब्यूरो द्वारा संचालित नेफिस सॉफ्टवेयर में पिछले वर्ष 54,405 फिंगर प्रिंट का डेटा अपलोड किया गया और गिरफ्तार किए गए अभियुक्तों व अनजान शवों के डाटा से साथ मिलान किया गया। अपलोड किए गए इन फिंगर प्रिंटस में से 25,400 फिंगर प्रिंट स्लिप नेफिस के रिकॉर्ड से मैच हो गई जिनका पहले से आपराधिक रिकॉर्ड रहा है। वर्ष-2024 में क्राइम सीन से तक़रीबन 2392 चांस प्रिंट(वारदात वाले स्थान से उठाए जाने वाले नमूने) उठाये गए जिनमें से 916 चांस प्रिंट का डेटा सफलतापूर्वक अपलोड करके उन्हें नेफिस पर वेरीफाई किया गया। नेफिस सिस्टम के बारे में पुलिस कर्मियों को प्रशिक्षित करने के लिए हरियाणा पुलिस द्वारा 46 वर्कशॉप आयोजित की गई। अब तक नेफिस सिस्टम की सहायता से 16 अज्ञात शवों की पहचान भी की है जिनका पिछले आपराधिक रिकॉर्ड रहा है। वर्ष-2024 में नेफिस सॉफ्टवेयर के माध्यम से 26 मामले सुलझाए गए जिनमें 6 मर्डर केस शामिल थे। एफआईआर का डेटा सीसीटीएनएस पर किया जा रहा है अपलोड प्रदेश के सभी पुलिस थानों को सीसीटीएनएस से जोड़ा जा चुका है। वर्तमान में सीसीटीएनएस द्वारा ही एफआईआर लिखी जा रही है। इसी प्रकार, प्रदेश में नेशनल साइबर हेल्पलाइन 1930 का स्कोर प्रगति डैशबोर्ड पर 100 प्रतिशत रहा है जिसका अभिप्राय है कि वर्तमान में प्रदेश पुलिस द्वारा साइबर हेल्पलाइन नंबर पर प्राप्त होने वाली शिकायतों पर त्वरित एवं प्रभावशाली कार्यवाही की जा रही है।

Kindergarten graduation ceremony celebrated with great enthusiasm at Agwanpur

Faridabad/Alive News:

Ideal Public School, Agwanpur recently celebrated its kindergarten graduation ceremony with great enthusiasm. The event featured a warm welcome dance by Grade 1 students and a heartfelt farewell performance by nursery students. Parents actively engaged in a Q&A session, adding to the day's joy. Director Ms. Sudesh Bhadana and Principal Mr. Raman Kumar awarded certificates to the young graduates, with Ms. Bhadana addressing parental queries. The ceremony concluded with a vote of thanks, and parents received saplings as token of appreciation. Chairman Mr. Rakesh Bhadana extended his congratulations and best wishes to all the students for their future endeavors.

प्रमोशन होने पर इंस्पेक्टर रण सिंह को लगे स्टार

Khol/Alive News

एसआई रण सिंह के इंस्पेक्टर बनने पर आज जिला पुलिस अधीक्षक रेवाड़ी ने उनको स्टार लगाए और बधाई दी और आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। जिला पुलिस अधीक्षक ने उनका मुंह मीठा भी कराया। इस मौके पर इंस्पेक्टर रण सिंह ने कहा कि प्रमोशन मिलना सरकारी नौकरी का एक हिस्सा है किन्तु कोई भी काम बड़ी जिम्मेदारी से करना चाहिए। उन्होंने कहा कि वो अपनी ड्यूटी का अच्छी तरह से निर्वहन करेंगे ओर ईमानदारी से आगे बढ़ेंगे।

अग्रवाल समाज ने दिल्ली मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता को बनाए जाने पर मिठाई बांटकर मनाई खुशी

Sohna/Alive News

अग्रवाल समाज में दिल्ली मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता को बनाने पर खुशी व्याप्त है। लोगों ने मुख्यमंत्री बनाये जाने पर जमकर मिठाइयां बांटी। समाज के लोगों ने भाजपा आलाकमान का आभार भी व्यक्त किया है। गुरुवार को कस्बे की अनाज मंडी स्थित अग्रवाल धर्मशाला में सोहना अग्रवाल समाज की बैठक आयोजित की गई। जिसकी अध्यक्षता व्यापार मंडल प्रधान अशोक गर्ग द्वारा की थी। बैठक में भाजपा हाईकमान द्वारा दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता को बनाये जाने पर लोगों ने खुशी जाहिर की थी। लोग रेखा गुप्ता को मुख्यमंत्री बनाने पर काफी उत्साहित थे। पूर्व

पार्षद रविशंकर सिंगला ने कहा कि भाजपा ने रेखा गुप्ता को मुख्यमंत्री नियुक्त करके अग्रवाल समाज को नायाब तोहफा दिया है जो कि अविस्मरणीय है। क्रिकेट कोच व प्रमुख समाजसेवी टेकचंद बंसल ने कहा कि अग्रवाल समाज हमेशा से ही भाजपा का वोटर रहा है। रेखा गुप्ता एक मंझी हुई राज नेता व समाज सेविका हैं। जो दिल्ली को सुंदर बनाने में अपनी भूमिका निभाएंगी। इसके अलावा वक्ताओं ने यह भी कहा कि दिल्ली देश की राजधानी है। जिसका मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता को बनाकर भाजपा ने सही कदम उठाया है। बैठक में मौजूद लोगों ने नवनिर्वाचित मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता को मुबारकबाद देते हुए भाजपा आलाकमान का आभार भी व्यक्त किया है। इस अवसर पर लाला ताराचंद गर्ग, पार्षद नीरज सिंगला, समाजसेवी आनंद गर्ग, नवीन गोयल, अशोक गोयल, महेंद्र बिंदल, दिनेश गर्ग, अशोक सिंगला, केशव जिंदल, पहलाद गुप्ता, सुमित एडवोकेट, कमल बंसल, अग्रवाल सभा प्रधान सतीश गर्ग, अजय आढ़ती आदि के अलावा काफी लोग मौजूद रहे।

राव बीरेंद्र सिंह नेता नहीं बल्कि एक संस्था थे : दिनेश यादव टीट

Khol/Alive News

हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री, पूर्व केंद्रीय मंत्री और अहीरवाल क्षेत्र के दिग्गज नेता रहे स्वर्गीय राव बीरेंद्र सिंह की जयंती पर आज प्रबुद्ध समाजसेवी दिनेश यादव टीट ने उनकी समाधि स्थल पर जाकर उन्हें पुष्प अर्पित करते हुए उनको नमन किया। दिनेश यादव ने कहा कि राव बीरेंद्र सिंह की राजनीति ईमानदारी से परिपूर्ण रही और हरियाणा के मुख्यमंत्री होने के साथ साथ केंद्र में कई महत्वपूर्ण विभागों के मंत्री रहे। उन्होंने कहा कि उन्होंने क्षेत्रीय हरियाणा विशाल पार्टी बनाई और फिर प्रदेश के मुख्यमंत्री बने। उन्होंने कहा कि राव बीरेंद्र सिंह एक नेता ही नहीं बल्कि एक संस्था थे जिन्होने कभी भी समझौतावादी राजनीति नहीं की। जब वो केंद्र में कृषि मंत्री थे तो किसानो को हर फसलों का मुंह मांगा भाव मिला। राव बीरेंद्र सिंह साफगोई के नेता थे और जो कहना था वो मुंह पर कह देते थे।

वैश्विक निवेश को आकर्षित करने के लिए सक्रिय कदम उठाएः नायब सैनी

Chandigarh/Alive News

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने अधिकारियों को राज्य के विभिन्न क्षेत्रों में महत्वपूर्ण निवेश सुनिश्चित करने के लिए हर संभव कदम उठाने के निर्देश दिए। उन्होंने प्रदेश में औद्योगिक विकास को और गति देने के लिए, आवश्यकता अनुसार मौजूदा नीतियों को संशोधित करने की आवश्यकता पर बल देते हुए कहा कि इससे न केवल अधिक निवेश आकर्षित होगा बल्कि रोजगार के और अधिक अवसर भी पैदा होंगे। मुख्यमंत्री बुधवार देर शाम उद्योग एवं वाणिज्य विभाग की बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे।

● उन्होंने कहा कि हरियाणा ने पहले ही आईएमटी खरखौदा

की सफलता के आधार पर राज्य भर में 10 अत्याधुनिक औद्योगिक टाउनशिप स्थापित करने की योजना बनाई है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में उद्योगों की स्थापना को सुविधाजनक बनाने और वैश्विक निवेश को आकर्षित करने के लिए सक्रिय कदम उठाए जाने चाहिए। इस संबंध में उन्होंने हरियाणा में एक अत्याधुनिक आईटी पार्क के निर्माण के साथ-साथ उद्योगों और एमएसएमई दोनों के लिए विशेष प्रोत्साहन देने का भी सुझाव दिया ताकि राज्य को निवेश के लिए अधिक आकर्षक स्थान बनाया जा सके।

● भारतीय प्रवासी भी हरियाणा में उद्यम स्थापित करने के इच्छुक हैं: सीएम

मुख्यमंत्री ने कहा कि राष्ट्रीय राजधानी से सटा होने और मजबूत बुनियादी ढांचे के साथ, हरियाणा वैश्विक उद्यमों को आकर्षित करने वाले आर्थिक पारिस्थितिकी तंत्र को विकसित करने के लिए बेहतर स्थिति में है। इसके अतिरिक्त, भारतीय प्रवासी भी हरियाणा में उद्यम स्थापित करने के इच्छुक हैं, जिससे आर्थिक विकास के लिए और अवसर उपलब्ध होंगे। उन्होंने समझाया कि उद्योग विभाग और हरियाणा राज्य औद्योगिक और बुनियादी ढांचा विकास निगम ऐसे सभी उद्यमियों से संपर्क करते हुए हरियाणा राज्य में उनके निवेश को सुविधाजनक बनाना चाहिए। उन्होंने कहा कि समय पर कार्यान्वयन और परिणाम सुनिश्चित करने के लिए ये कार्य टारगेट बेस्ड होना चाहिए।

● एयरोस्पेस और रक्षा निवेश नीति को दी गई स्वीकृति : सीएम

बैठक में मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को राज्य में एयरोस्पेस और रक्षा निवेश आकर्षित करने पर ध्यान केंद्रित करने का भी निर्देश दिया। हरियाणा राज्य को राष्ट्रीय एयरोस्पेस और रक्षा हब के रूप में स्थापित करने के उद्देश्य से एयरोस्पेस और रक्षा निवेश नीति को स्वीकृति दी गई है। जिसका उद्देश्य इस क्षेत्र में अगले पांच वर्षों में एक बिलियन अमरीकी डालर के निवेश को आकर्षित करना है।

● यह रहे उपस्थित

बैठक में मुख्य सचिव अनुराग रस्तोगी, मुख्यमंत्री के मुख्य प्रधान सचिव राजेश खुल्लर, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव अरुण कुमार गुप्ता, एसीएस विजयेंद्र कुमार, उद्योग विभाग के प्रधान सचिव डी. सुरेश, नागरिक उड्डयन विभाग के प्रधान सचिव श्यामल मिश्रा, श्रम विभाग के प्रधान सचिव राजीव रंजन, मुख्यमंत्री के ओएसडी राज नेहरू सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद रहे।

उपायुक्त ने ऑडिटोरियम निर्माण के लिए अधिकारियों के साथ की साइट विजिट

● पलवल वासियों को ऑडिटोरियम का निर्माण होने से मिलेगा फायदा : डा. हरीश वशिष्ठ

Palwal/Alive News

पलवल शहर में नए ऑडिटोरियम के निर्माण को लेकर उपायुक्त डा.हरीश कुमार वशिष्ठ ने बृहस्पतिवार को एडीसी अखिल पिलानी, जिला नगर आयुक्त मनीषा शर्मा सहित अन्य अधिकारियों के साथ नगर परिषद क्षेत्र में ऑडिटोरियम के लिए भूमि का चयन करने के लिए विभिन्न साइट की विजिट की। इस दौरान उपायुक्त ने ऑडिटोरियम निर्माण के लिए संबंधित विभाग के अधिकारियों के साथ समीक्षा करते हुए पूरी जानकारी प्राप्त की और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि ऑडिटोरियम का निर्माण होने से पलवल वासियों को बहुत फायदा मिलेगा। ऑडिटोरियम अत्याधुनिक सुविधाओं से लेस होगा, जिसमें नागरिकों को विभिन्न प्रकार की सुविधा व व्यवस्था मिलेंगी। उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन द्वारा ऑडिटोरियम निर्माण के लिए उचित स्थान की तलाश की जा रही है। उन्होंने बताया कि सरकारी स्तर पर ऑडिटोरियम बनने से इसमें सामाजिक, सांस्कृतिक, धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन हो सकेगा। उन्होंने कहा कि ऑडिटोरियम बनने से शहर के नागरिकों को काफी लाभ मिलेगा। उपायुक्त ने बताया कि पलवल शहर में इस अत्याधुनिक ऑडिटोरियम के बनने से विभिन्न प्रकार की गतिविधियों के आयोजन में लाभ मिलेगा। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि मौसम खराब होने की स्थिति में विभिन्न गतिविधियों के संचालन में किसी प्रकार की दिक्कत का सामना नहीं करना पड़ेगा। इसके साथ ही, विभिन्न प्रकार के कार्यक्रमों के आयोजन के लिए एक बेहतरीन स्थान की सुविधा भी मिलेगी। वहीं सांस्कृतिक और अन्य गतिविधियों के आयोजन के लिए एक बेहतरीन स्थान भी मिलेग

प्रदेश सरकार ग्रामीण चौकीदारों की भलाई के लिए है प्रयासरत : डॉ. साकेत कुमार

Chandigarh/Alive News

हरियाणा के मुख्यमंत्री के अतिरिक्त प्रधान सचिव डॉ. साकेत कुमार ने कहा कि प्रदेश सरकार ग्रामीण चौकीदारों की भलाई के लिए प्रयासरत है। चौकीदारों का वेतन 7000 से बढ़ाकर 11 हजार रुपये किया गया है। जल्द ही चौकीदारों के आई कार्ड बनवाए जाएंगे, ताकि उन्हें कार्य करते हुए कोई असुविधा न हो। इसके साथ ही उन्होंने आश्वासन दिया कि चौकीदारों के रिक्त पदों को भरने की प्रक्रिया जल्द शुरू की जाएगी। वे आज यहां सिविल सचिवालय में ग्रामीण चौकीदार संघ, हरियाणा के पदाधिकारियों के साथ हुई बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। इस मौके पर चौकीदारों ने अपना मांग पत्र भी सौंपा। इस दौरान जानकारी दी गई कि प्रदेश में 7301 चौकीदारों के पद हैं, जिनमें से 4927 चौकीदार काम कर रहे हैं और 2374 चौकीदारों के पद रिक्त हैं। चौकीदारों ने बताया कि मृत्यु का रिकॉर्ड दर्ज करने वाला पोर्टल ठीक से कार्य नहीं कर रहा है और चौकीदारों को वेतन संबंधी समस्या भी आ रही है इस पर मुख्यमंत्री के अतिरिक्त प्रधान सचिव डॉ. साकेत कुमार ने कहा कि चौकीदारों की परेशानियों का जल्द से जल्द समाधान किया जाएगा।

वार्ड 20 के बहरामपुर में जनता ने दिया भरपूर समर्थन एवं आशीर्वाद

भाजपा प्रत्याशी नारायण भड़ाना का भव्य जनसंपर्क अभियान

Gurugram/Alive News

वार्ड 20: भारतीय जनता पार्टी के पार्षद प्रत्याशी नारायण भड़ाना ने आगामी नगर निगम चुनाव के मद्देनजर वार्ड 20 के बहरामपुर क्षेत्र में जनसंपर्क अभियान चलाया। इस दौरान उन्होंने क्षेत्र के नागरिकों से घर-घर जाकर भेंट की और अपने विजन को साझा करते हुए समर्थन की अपील की। इस अभियान में जनता का अपार स्नेह, बुजुर्गों का आशीर्वाद और युवाओं का जोश देखने को मिला, जिससे यह स्पष्ट संकेत मिलता है कि वार्ड 20 अब विकास के नए युग की ओर अग्रसर होने के लिए तैयार है। जनसंपर्क अभियान के दौरान वार्ड 20 के नागरिकों ने नारायण भड़ाना का भव्य स्वागत किया। उन्होंने वार्डवासियों को भरोसा दिलाया कि उनकी जीत केवल एक पार्षद पद की जीत नहीं होगी, बल्कि यह वार्ड 20 के सम्मान, बुनियादी सुविधाओं और समग्र विकास की जीत होगी। उन्होंने कहा कि भाजपा की नीति 'सबका साथ, सबका विकास' को वार्ड स्तर पर साकार करना ही उनका लक्ष्य है। जनसंपर्क के दौरान वरिष्ठ समाजसेवी

एवं भाजपा के सशक्त समर्थक सुंदर भड़ाना जी ने भी जनता से संवाद किया और भाजपा प्रत्याशी के पक्ष में मतदान करने की अपील की। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार ने हमेशा जनकल्याणकारी नीतियों को प्राथमिकता दी है और वार्ड 20 के विकास की गति को आगे बढ़ाने के लिए भाजपा प्रत्याशी को विजयी बनाना आवश्यक है। नारायण भड़ाना की भाभी मीनाक्षी भड़ाना ने भी वार्ड 20 के विभिन्न स्थानों में प्रचार अभियान को गति देते हुए माताओं, बहनो से संवाद किया। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार ने महिलाओं की सुरक्षा, सशक्तिकरण और रोजगार को प्राथमिकता दी है और अब समय आ गया है कि वार्ड 20 की महिलाएं भी भाजपा प्रत्याशी का समर्थन कर अपने क्षेत्र को सुरक्षित, आत्मनिर्भर और समृद्ध बनाने में योगदान दें। इस अवसर पर नारायण भड़ाना ने कहा, वार्ड 20 के नागरिकों की अपेक्षाएं और आकांक्षाएं मेरी प्राथमिकता हैं। क्षेत्र की जनता जिस प्रेम और स्नेह के साथ समर्थन दे रही है, वह इस बात का प्रमाण है कि लोग भाजपा की नीति और नीयत पर पूरा भरोसा करते हैं। यह चुनाव केवल एक व्यक्ति की जीत-हार का नहीं, बल्कि पूरे वार्ड 20 के उज्ज्वल भविष्य का चुनाव है। उन्होंने आगे कहा कि भाजपा की सरकार ने गुरुग्राम सहित हर क्षेत्र में जो विकास कार्य किए हैं, उन्हें वार्ड 20 में भी और अधिक गति दी जाएगी। अव्यवस्थित यातायात, जलभराव, स्वच्छता, स्ट्रीट लाइट, ड्रेनेज सिस्टम और अन्य बुनियादी सुविधाओं पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। मेरा संकल्प है कि वार्ड 20 को एक आदर्श वार्ड बनाऊंगा, जहां हर नागरिक को मूलभूत सुविधाएं आसानी से उपलब्ध होंगी।

प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि भारत सरकार की किसान हितैषी व विश्व की सबसे बड़ी योजनाः श्रुति चौधरी

भाजपा पहली सरकार, जिसने किसान हित में अनेक नीतियां बनाकर दी सम्मान निधि

Chandigarh/Alive News

प्रदेश की महिला एवं बाल विकास तथा सिंचाई एवं जल संसाधन मंत्री श्रुति चौधरी ने कहा कि भाजपा पहली सरकार है, जिसने किसान हित में अनेक नीतियां बनाकर डीबीटी के माध्यम से सीधे किसानों के खाते में पैसा डाला है। देश में सर्वाधिक प्रदेश के किसानों की 24 फसलें एमएसपी पर खरीदी जा रही हैं। किसान हित में भावांतर भरपाई योजना लागू की गई है। किसानों को हजारों करोड़ रुपए की कृषि संबंधित बिजली में सब्सिडी दी गई है। सरकार ने कृषि, बागवानी, मछली पालन तथा नहरों के निर्माण के लिए सिंचाई विभाग का बजट बढ़ाया है। उन्होंने कहा कि लोगों को पेयजल और किसान की खेत में सिंचाई के लिए सभी नहरों में टेल तक पूरा पानी पहुंचाया जाएगा। महिला एवं बाल विकास तथा सिंचाई एवं जल संसाधन मंत्री श्रुति चौधरी तोशाम के पंचायत भवन में सोमवार को आयोजित जिला स्तरीय किसान सम्मेलन को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे। इस दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बिहार प्रदेश के भागलपुर में आयोजित किसान सम्मेलन के माध्यम से किसानों को प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना की 19वीं किस्त जारी की है। देशभर के करोड़ों किसानों के खाते में हजारों करोड़ की राशि सीधे खाते में ट्रांसफर की। कार्यक्रम के दौरान जिला भिवानी के करीब एक लाख 35 हजार से अधिक किसानों के खाते में किसान सम्मान निधि योजना के तहत 27 करोड़ 17 लाख से अधिक की राशि डाली गई। मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि भारत सरकार की किसान हितैषी प्रमुख योजना है। जो कि फरवरी 2019 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा पात्र

भूमि धारक किसानों को प्रतिवर्ष 6000 रुपये की वित्तीय सहायता प्रदान करने के लिए शुरू की गई थी। यह योजना न केवल किसानों की आय में वृद्धि कर रही है बल्कि उनकी आजीविका को सुरक्षित बना रही है। सरकार का उद्देश्य है कि हर पात्र किसान को इस योजना का लाभ मिले और उनके जीवन स्तर में सुधार हो। उन्होंने कहा कि स्वर्गीय चौधरी बंसीलाल ने किसान हित में लिफ्ट इरिगेशन सिस्टम को लागू किया और जिसका पूरे भारतवर्ष में अनुसरण किया गया। इसी प्रकार पूर्व कृषि मंत्री चौधरी सुरेंद्र सिंह ने अपने 20 दिन के कृषि मंत्री के कार्यकाल में अनेक ऐतिहासिक फैसले लिए थे उनमें से एक भू राजस्व रिकार्ड को कंप्यूटरीकृत करना आदि की पूरे देश में अनुसरण किया गया। उन्होंने कहा कि पीएम किसान सम्मान निधि योजना महत्वाकांक्षी योजना है यह योजना किसान हित के विश्व की सबसे बड़ी योजना है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की दूरदृष्टि और सशक्त नेतृत्व में प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के सफल छह वर्ष पूरे हुए हैं। यह योजना केवल आर्थिक सहायता प्रदान करने तक सीमित नहीं है, बल्कि देश के अन्न दाताओं के आत्मसम्मान और आत्मनिर्भरता का प्रतीक बन चुकी है।पिछले 10 वर्षों में कृषि क्षेत्र में अभूतपूर्व विकास हुआ है। छोटे किसानों को सीधे आर्थिक सहायता मिलने से उनकी आय बढ़ी है और जीवन स्तर में सुधार आया है। आज, यह योजना किसानों को सशक्त बनाने और कृषि क्षेत्र को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। श्रुति चौधरी ने कहा कि केंद्र व राज्य सरकार की योजनाओं की बदौलत पिछले 10 वर्षों में कृषि क्षेत्र में काफी बदलाव आया है। वर्ष 2014 में बाजरा का भाव 1100 रुपए प्रति क्विंटल था जो आज 2500 रुपए है। पानी की व्यवस्था होने से जिला में फसलों का उत्पादन भी बढ़ा है। इस तरह से सरकार ने किसानों की आय में बढ़ोतरी करके उनका जीवन खुशहाल हुआ है। कार्यक्रम में एसडीएम अशवीर नैन तथा कृषि उप निदेशक डॉ. विनोद फोगाट, सरपंच राजेश, वीसी बीडीसी सुनील भारीवास ने मंत्री श्रुति चौधरी का स्वागत किया। कृषि उपनिदेशक डॉ. विनोद फौगाट ने सरकार द्वारा किसान हित में लागू की गई योजनाओं की विस्तार से जानकारी दी। इस दौरान महिला एवं बाल विकास मंत्री ने आमजन की समस्याएं भी सुनी और संबंधित अधिकारियों को तत्काल निदान के निर्देश दिए।इस मौके पर हरिसिंह सांगवान, कृष्ण लेघा, संदीप बेडवाल, प्रदीप गोलागढ, वाईस चेयरमैन सुनिल, जयसिंह वाल्मीकि, कुलदीप मनसर वॉश, सुखबीर पंघाल, जेपी ठेकेदार पटौदी, पवन संडवा, भीम संडवा, रामचंद्र संडवा, महेंद्र ईशरवाल, सुभाष बापोड़ा, अक्षय भारीवास, रामवीर बुसान, संदीप जटान, अमित बापोडा, वासु शर्मा संजय खानक, पवन कतवार, जगदीप पटौदी, संदीप पटौदी आदि मौजूद थे।

अमित भारद्वाज की अगुवाई में पूर्व विधायक केहर सिंह रावत ने थामा भाजपा का दामन

Khol/Alive News

संकल्प पत्र हमारी आत्मा है। इसे हम भगवान की तरह पूजते हैं। इसके हर वादे को पूरा करना हमारी गारंटी है। वरिष्ठ भाजपा नेता अमित भारद्वाज ने बताया कि आज विकसित नगर निकायों के लिए भाजपा के संकल्प पत्र का विमोचन किया है। उन्होंने हरियाणा के 2.80 करोड़ परिवारजनों को इसके लिए बहुत-बहुत बधाई एवं शुभकामनाएं दी है। अमित भारद्वाज ने कहा कि यह संकल्प पत्र हमारे नेतृत्व की सोच का परिणाम ही नहीं, बल्कि हरियाणा की जनता के सुझावों एवं आकांक्षाओं का सजीव प्रतीक है। इस अवसर पर प्रदेश अध्यक्ष मोहनलाल बड़ोली, कैबिनेट मंत्री डॉक्टर अरविन्द शर्मा, कैबिनेट मंत्री विपुल गोयल समेत वरिष्ठ नेता कार्यकर्ता उपस्थित रहे। संकल्प पत्र जारी होने के पश्चात-आज भारतीय

जनता पार्टी के रोहतक कार्यालय मंगल कमल में हरियाणा के लोकप्रिय एवं जनप्रिय माननीय मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी जी व हरियाणा के यशस्वी और लोकप्रिय प्रदेश अध्यक्ष शमोहनलाल बडौली व भाजपा के वरिष्ठ नेता अमित भारद्वाज की अध्यक्षता में हल्का हथीन से पूर्व विधायक केहर सिंह रावत ने भाजपा का दामन थामा। पूर्व विधायक केहर सिंह रावत के भाजपा में घर वापसी के इस अवसर पर अहम् भूमिका निभाने वाले मुख्य रूप से भाजपा गुरुग्राम किसान मोर्चा के प्रभारी वीरेंद्र शर्मा साथ रहे।

भाजपा प्रदेशाध्यक्ष बडौली ने अधिवक्ता कंवर बालू सिंह को पटका पहनकर कराई पार्टी ज्वाइन

Faridabad/Alive News

आजकल यूं तो पूरा देश ही भाजपामय होता जा रहा है, इसी कड़ी में फरीदाबाद जिले के गांव सीही में भाजपा की एक जनसभा में शहरी निकाय मंत्री विपुल गोयल और जिला अध्यक्ष राजकुमार वोहरा की अगुवाई में कांग्रेस नेता एवं अधिवक्ता कंवर बालू सिंह और उनके समर्थकों के साथ को भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मोहन लाल बडौली ने भाजपा ज्वाइन कराई है।

अधिवक्ता कंवर बालू सिंह ने बताया कि वह प्रदेश के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के जनता के लिए काम करने के नायब तरीके से प्रभावित होकर और भाजपा की जनहितैषी नीतियों से खुश होकर पार्टी में शामिल हुए है। उन्होंने बताया कि वह भाजपा में पिछले दस साल में कई अहम पदो पर रहकर काम कर चुके है। उन्होंने प्रदेश के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के साथ भाजपा के किसान मोर्चे में प्रदेश सचिव रहते भी काम किया था।

अधिवक्ता कंवर बालू सिंह ने कांग्रेस छोड़ने का कारण पार्टी का जिले में बीस वर्ष से संगठन नही होना और कार्यकर्ताओ का सम्मान नही होना बताया। उन्होंने बताया कि कांग्रेस में संगठन के नाम पर प्रदेश अध्यक्ष बनाए भी गए तो वो भी सिर्फ कठपुतली बन कर रहे। किसी भी प्रदेश अध्यक्ष ने संगठन पर कोई ध्यान नहीं दिया।

इस मौके पर वार्ड 39 प्रत्याशी रूमा नम्बरदार, वार्ड 37 से मुकेश अग्रवाल, वजीर सिंह डागर, सुखबीर मलेरना, जिला प्रभारी नरेन्द्र वत्स, अजित नम्बरदार, पूर्व जिला अध्यक्ष गोपाल शर्मा, अनिल मलिक नीलम तेवतिया, अनिल तेवतिया, ज्ञानी तेवतिया, संजय गुप्ता, एन के गर्ग आदि उपस्थित रहे।

समाधान शिविर आम जन की समस्याओं का होता है त्वरित समाधानः नगराधीश

Nuh/Alive News

हरियाणा सरकार के निर्देशानुसार प्रत्येक कार्य दिवस पर सुबह 10 बजे से 12 बजे तक आयोजित होने वाले समाधान शिविर में सोमवार को नगराधीश आशीष कुमार ने लघु सचिवालय के कॉन्फ्रेंस हॉल में नागरिकों की समस्याएं सुनीं।?समाधान शिविर में कुल 10 शिकायत प्राप्त हुई। समाधान के लिए संबंधित अधिकारी दिशा निर्देश दिए गए हैं। इस दौरान उन्होंने संबंधित विभागों के अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे सभी शिकायतों का तय समय में निवारण सुनिश्चित करें और नागरिकों को सरकार की योजनाओं का लाभ समयबद्ध सेवाओं के माध्यम से उपलब्ध कराएं। नगराधीश आशीष कुमार ने कहा कि समाधान शिविर आम जन की समस्याओं के त्वरित समाधान के लिए एक महत्वपूर्ण प्लेटफार्म है, जिससे

आमजन को सीधा लाभ मिल रहा है। सरकार की मंशा है कि प्रशासन आम जनता के और अधिक करीब पहुंचे और उनकी समस्याओं का शीघ्र समाधान किया जाए। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि वे नागरिकों की समस्याओं को गंभीरता से लें और उन्हें प्राथमिकता के आधार पर हल करें। सोमवार को समाधान शिविर में विभिन्न विभागों से संबंधित शिकायतें प्राप्त हुई, जिनमें राजस्व, नगर निगम, बिजली, जल आपूर्ति, सामाजिक कल्याण, परिवहन, स्वास्थ्य, शिक्षा व अन्य नागरिक सुविधाओं से जुड़ी समस्याएं प्रमुख रहीं। नगराधीश ने सभी विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे प्राप्त शिकायतों का निवारण प्राथमिकता के आधार पर करें और इसकी नियमित रूप से समीक्षा भी करें। नगराधीश ने नागरिकों को आश्वस्त किया कि प्रशासन उनकी समस्याओं के प्रति पूर्ण रूप से संवेदनशील है और प्रत्येक शिकायत का निष्पक्ष व त्वरित समाधान सुनिश्चित किया जाएगा।

अवैध खनन व बिना ई-रवाना बिल वालों पर है सरकार की पारखी नजर, एक डंपर सीज

Faridabad/Alive News

अवैध खनन रोकने सहित बिना ई रवाना बिल के निकलने वाले खनिज वाहनों पर हरियाणा सरकार की पारखी नजर है। जिला फरीदाबाद में दिन रात खनन विभागीय टीम जहां स?कों पर मॉनिटरिंग कर रही है वहीं नियमों की अवहेलना करने वालों पर कार्रवाई भी सुनिश्चित की जा रही है। खनन विभाग के महानिदेशक के.एम.पांडुरंग के आदेशानुसार विभागीय टीम पूरी मुस्तैदी से अपना दायित्व निभाते हुए हर पहलू पर फोकस कर रही है।

जिला खनन अधिकारी कमलेश बिधलान ने जानकारी देते हुए बताया कि विभाग की टीम द्वारा निरन्तर जिला में अवैध खनन न हो इसकी जांच की जा रही है साथ ही जिला से निकलने वाले राष्ट्रीय व राज्य मार्गों सहित अन्य कनेक्टिविटी पर चैकिंग टीम द्वारा खनिज वाहनों की जांच की जा रही है। उन्होंने बताया कि गुरुवार की अल सुबह उनकी टीम ने खनिज वाहनों की

जांच के दौरान केली पुल के पास एक डंपर को बिना ई-रवाना बिल के पाया और कोई भी दस्तावेज चालक नहीं दिखा पाया। ऐसे में विभाग की ओर से उक्त खनिज वाहन को पुलिस की मौजूदगी में सीज किया गया और आगामी आवश्यक कार्रवाई अमल में लाई गई।

जिला खनन अधिकारी बिधलान ने कहा कि फरीदाबाद जिला सहित पूरे प्रदेश में खनन विभाग की ओर से महानिदेशक के.एम.पांडुरंग के दिशा निर्देशों की अनुपालना करते हुए चैकिंग अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान के अंतर्गत जहां अवैध खनन न हो इसकी गंभीरता से जांच की जा रही है वहीं कोई भी खनिज वाहन बिना ई रवाना बिल के जिला की स?कों से न निकले इसकी पूरी मॉनिटरिंग हो रही है। दिन रात विभाग की टीम विभिन्न स्थानों पर सक्रियता से कार्य कर रही हैं।

उन्होंने बताया कि विभाग की हर गतिविधियों को लिखित में विभाग के उच्चाधिकारियों को अवगत भी कराया जा रहा है। उन्होंने कहा कि हरियाणा सरकार प्रदेश में किसी भी रूप से अवैध खनन को रोकने के लिए दृ?संकल्प है और विभाग इस दिशा में उल्लेखनीय कदम उठा रहा है।

जिला स्तरीय किसान सम्मान समारोह, हरियाणा विधानसभा अध्यक्ष ने डेढ़ दर्जन किसानों को प्रशस्ति पत्र देकर किया सम्मानित

Chandigarh/Alive News

हरियाणा विधानसभा अध्यक्ष हरविंद्र कल्याण ने किसानों से अपील की है कि कृषि एवं किसान कल्याण विभाग द्वारा शुरू की गई विभिन्न योजनाओं का लाभ उठाने के लिए पंजीकरण जरूर कराएं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी किसानों की तरक्की और उनकी समस्याओं के प्रति गंभीर हैं। सरकार का प्रयास है कि सरकारी योजनाओं का पूरा लाभ किसानों को मिले। इसलिए किसान हित में समय-समय पर योजनाओं में सुधार भी किया जा रहा है। हरविंद्र कल्याण सोमवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा पीएम किसान सम्मान निधि की 19 वीं किस्त के हस्तांतरण मौके पर घरौंडा के ऑडिटोरियम भवन में आयोजित जिला स्तरीय किसान सम्मान समारोह में बतौर मुख्य अतिथि बोल रहे थे। उन्होंने करीब डेढ़ दर्जन प्रगतिशील किसानों को प्रशस्ति पत्र

देकर सम्मानित किया। इस मौके पर किसानों ने प्रधानमंत्री का लाइव संबोधन भी सुना। विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि किसानों के खाते में 19वीं किस्त का सीधे हस्तांतरण प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की किसानों के प्रति संवेदनशीलता को दर्शाता है। एक समय था जब किसानों के खाते में मात्र 50-50 रुपए के चेक आते थे। लेकिन आज पूरा पैसा किसानों के खाते में सीधे पहुंच रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस बात को लेकर चिंतित रहते हैं कि किसानों की दिक्कतें कैसे कम हों। उन्होंने कहा कि किसी भी क्षेत्र में जब सुधार की प्रक्रिया आरंभ होती है तो थोड़ी बहुत दिक्कत पेश आती ही हैं। ऐसे समय में कुछ लोग बहकाने का काम भी करते हैं लेकिन हर वर्ग को ऐसे लोगों के बहकावे में आने की बजाय सुधार प्रक्रिया में सरकार का सहयोग करना चाहिए। यह सुधार प्रक्रिया का ही नतीजा है कि आज पेंशन राशि सीधे पात्र लोगों के खातों में पहुंच रही है। उन्होंने बताया कि पीएम किसान योजना में करनाल जिला में 98420 किसान पंजीकृत हैं। योजना के तहत जिला के किसानों को अब तक 299 करोड़ रुपए का लाभ दिया जा चुका है। आज 19वीं किस्त के तौर पर जिला के 78590 किसानों को 17 करोड़ 10 लाख रुपए की राशि जारी की गई है। उन्होंने बताया कि योजना के तहत हरियाणा में 1601149 किसान पंजीकृत हैं। इस योजना के तहत राज्य में अब तक 6203 करोड़ रुपए का लाभ दिया जा चुका है। आज 19वीं किस्त के तौर पर हरियाणा के 1638868 किसानों को करीब 360 करोड़ रुपए की किस्त जारी की गई है। उन्होंने किसानों से अपील की कि वे विभिन्न योजनाओं का लाभ उठाने के लिए पंजीकरण जरूर कराएं। प्रगतिशील किसान सम्मानित इस अवसर पर विधानसभा अध्यक्ष कल्याण ने प्रगतिशील किसान सोनू अराईपुरा, राजवीर खोखर कमलापुरा, मांगेराम व नेत्रपाल कोहंड, ओमप्रकाश खोरा खेड़ी, हरि शरण बीजना, विनोद रावल कोहंड, बंसीलाल खोरा खेड़ी, प्रवीण फुरलक, सुरेंद्र घरौंडा, महेंद्र डींगर माजरा, राजे शर्मा खोरा खेड़ी, राममेहर सालवान, जयवीर गढी भरल, तरसे राणा देकर सम्मानित किया रसीन, लखविंदर मुबारकाबाद, रामस्वरूप खोरा खेड़ी को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया इससे पहले कृषि उपनिदेशक डॉ. वजीर सिंह ने विभाग की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी। समारोह में करनाल के एसडीएम अनुभव मेहता, किसान मोर्चा के जिला अध्यक्ष विनोद राणा, घरौंडा नगर पालिका के अध्यक्ष हैप्पी लक गुप्ता आदि मौजूद रहे। राइजिंग सन पब्लिक स्कूल की छात्राओं ने हरियाणवी नृत्य प्रस्तुत किया।

हरियाणा भाजपा ने जारी किया नगर निकाय चुनाव को लेकर संकल्प पत्र

- महिलाओं के नाम घर होने पर 25 फीसदी हाउस टैक्स छूट
- अवैध कॉलोनियों को वैध बनाने का वादा
- गरीब परिवार को देंगे फ्री सोलर पैनल

Rohtak/Alive News

सोमवार को हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी एवं प्रदेश अध्यक्ष मोहन लाल बड़ौली ने निकाय चुनाव संकल्प पत्र जारी किया। इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री एवं संकल्प पत्र समिति के अध्यक्ष विपुल गोयल, कैबिनेट मंत्री डॉ.अरविंद कुमार शर्मा सहित समिति के सभी सदस्य उपस्थित रहे। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने अपने संबोधन में कहा कि यह संकल्प पत्र महज एक दस्तावेज नहीं, बल्कि हरियाणा के सतत विकास का मार्गदर्शक सिद्ध होगा। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की सरकार प्रदेशवासियों की आकांक्षाओं को पूरा

करने के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य करेगी। कैबिनेट मंत्री विपुल गोयल ने संकल्प पत्र की विशेषताओं पर प्रकाश डालते हुए कहा कि इसमें नागरिकों के हितों को सर्वोच्च प्राथमिकता दी गई है। उन्होंने बताया कि जल एवं सीवरेज कनेक्शन शुल्क माफ करने, मकान एवं भूमि के स्वामित्व अधिकार प्रदान करने, उन्नत ट्रांसपोर्ट व्यवस्था लागू करने तथा पर्यावरण अनुकूल परियोजनाओं को शीघ्र क्रियान्वित करने के लिए भाजपा सरकार संकल्पबद्ध है। उन्होंने मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व की सराहना करते हुए कहा कि पूर्व में विधानसभा चुनाव संकल्प पत्र में किए गए 18 वादे मात्र 100 दिनों के भीतर पूर्ण किए गए

चुनावी घोषणा पत्र में किए गए वादे

1. भूमि का मालिकाना हक दिलाना - ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में एक स्थान पर 20 साल से अधिक समय से रह रहे सभी परिवारों को भूमि और मकान का मालिकाना हक दिलाया जाएगा। उनकी रजिस्ट्रियां करवाई जाएंगी। स्वामित्व योजना के तहत गरीबी रेखा में आने वाले परिवारों को विशेष राहत देंगे।
2. हाउस टैक्स में 25 फीसदी छूट - जो मकान महिलाओं के नाम से हैं, उन्हें हाउस टैक्स में 25 प्रतिशत छूट दी जाएगी। जो अवैध कॉलोनियां वैध के दायरे में आ गई हैं, उनके बीच में अभी भी अगर कोई जगह अवैध रह गई है तो उसे भी वैध की श्रेणी में लाया जाएगा। नगर निगम के अंदर जो गांव शामिल किए गए हैं, उनके हाउस टैक्स की प्रक्रिया को आसान बनाएंगे। कृषि डेरा के हाउस टैक्स में विशेष राहत दी जाएगी। जो मकान अधिग्रहित जमीन से मुक्त हो गए हैं, उन्हें हाउस टैक्स में विशेष राहत दी जाएगी।
6. जल निकासी - सभी स्थानीय निकायों की जल निकासी समस्या का स्थायी समाधान करेंगे।
7. मॉडर्न सभागार - सभी स्थानीय निकायों में आबादी के आधार से एक मॉडर्न सभागार का निर्माण करेंगे।
8. आधुनिक लाइब्रेरी - सभी स्थानीय निकायों में बुनियादी ढांचे के साथ गुणवत्तापूर्ण सामग्री का उपयोग करते हुए टीयर-2 एवं टीयर-3 शहरों में आधुनिक लाइब्रेरी स्थापित करेंगे।
9. सफाई व्यवस्था - सभी स्थानीय निकायों शहरों में अतिरिक्त सफाई कर्मचारियों की व्यवस्था करेंगे।
10. महिलाओं के लिए पिंक टॉयलेट व सैनेटरी नैपकिन वेडिंग मशीनें लगाएंगे - सभी स्थानीय निकायों के बाजारों में कम से कम एक पिंक टॉयलेट बनाएंगे, जो सैनेटरी नैपकिन वेडिंग मशीनों और शिशु आहार कक्ष (क्रैच) से सुसज्जित होंगे।
11. सौर ऊर्जा व सोलर पैनल - हर वार्ड में स्ट्रीट लाइटों की संख्या दोगुनी करेंगे। ऊर्जा-कुशल एलईडी अपग्रेड करेंगे और नई सौर ऊर्जा संचालित स्ट्रीट लाइटें लगाएंगे। साथ ही 1 लाख रुपए तक आय वाले परिवारों को सोलर पैनल मुफ्त देंगे।
12. इलेक्ट्रिक बसें - राज्य सरकार की मदद से पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप (पीपीपी) मॉडल के तहत इलेक्ट्रिक बसें चलाई जाएंगी। इससे शहरों में सस्ता और स्थायी परिवहन सुनिश्चित होगा और ट्रांसपोर्ट सिस्टम पर्यावरण के अनुकूल होगा।
13. बैंक स्क्वायर - सभी स्थानीय निकायों में सभी बैंकों को एक स्थान पर एकत्रित करने के लिए बैंक स्क्वायर का निर्माण करवाएंगे।
15. कचरे का निपटारा - सभी स्थानीय निकायों में गीले और सूखे कचरे का निपटारा करने के लिए नए संयंत्र स्थापित किए जाएंगे।
16. सीवरेज व मुफ्त वाटर कनेक्शन - सभी स्थानीय निकायों में सीवरेज और पानी के कनेक्शन के शुल्क को माफ करेंगे।
17. सहायक रिकॉर्ड प्रणाली - सभी स्थानीय निकायों में अच्छी सड़कों का निर्माण करवाया जाएगा। सड़कों के निर्माण का रिकॉर्ड रखा जाएगा।

फरीदाबाद पुलिस के 50 उप निरीक्षक पदोन्नत होकर बने निरीक्षक

Faridabad/Alive News

बता दें कि पुलिस महानिदेशक हरियाणा पंचकूला के कार्यालय द्वारा

काफी संख्या में उप निरीक्षक स्तर के पुलिस कर्मचारियों को निरीक्षक के पद पर पदोन्नत करने के लिए निर्देशित किया गया, जिस पर फरीदाबाद पुलिस के 50 पुलिस कर्मचारियों को निरीक्षक के पद पर पदोन्नत किया गया है पुलिस आयुक्त सतेंद्र कुमार गुप्ता ने पदोन्नत निरीक्षकों को बधाई देते हुए उनके उज्जवल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी हैं। पुलिस प्रवक्ता ने बतलाया कि फरीदाबाद पुलिस के 50 उप निरीक्षक की निरीक्षक के पद पर पदोन्नति की गई है, जिस से पुलिस के कार्य क्षमता में वृद्धि होगी और मामलों के निष्पादन में सहयोग मिलेगा। पुलिस आयुक्त ने पदोन्नत निरीक्षकों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि उन्होंने अपनी मेहनत से यह पद प्राप्त किया है, पदोन्नति के साथ उनकी जिम्मेवारियां भी बढ़ी है, इसलिए वे और अधिक मेहनत, ईमानदारी व सच्ची निष्ठा के साथ अपने कर्तव्यों का निर्वहन करें।

पेपर आसान आने से खिले विद्यार्थियों के चेहरे, सभी केंद्रों पर

Faridabad/Alive News

हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड की कक्षा 12वीं की परीक्षा शुरू हो गई हैं। बृहस्पतिवार को जिले के करीब 79 केंद्रों पर 12वीं कक्षा के विद्यार्थियों ने इंग्लिश विषय की परीक्षा दी। पेपर आसान आने से विद्यार्थियों के चेहरे खिले नजर आए।

हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड की कक्षा 12वीं की परीक्षा 27 फरवरी और कक्षा दसवीं की परीक्षा 28 फरवरी यानी शुक्रवार से शुरू हो रही है। बृहस्पतिवार को बारहवीं कक्षा की इंग्लिश विषय की परीक्षा शांतिपूर्ण तरीके से हुई। विद्यार्थियों को जांच के बाद परीक्षा केंद्रों के अंदर जाने की अनुमति दी गई। केंद्र पर किसी भी प्रकार की मुद्रित या लेखन सामग्री ले जाने की अनुमति नहीं थी। सभी केंद्रों पर अध्यापक और जिला शिक्षा विभाग के अधिकारियों की मौजूदगी में विद्यार्थियों ने परीक्षा आयोजित हुई।

एनआईटी एक स्थित राजकीय विद्यालय में बने केंद्र से परीक्षा देकर निकले विद्यार्थी आशुतोष ने पेपर को आसान बताया। उन्होंने कहा कि पूरा पेपर किया है 90 तक तो मिल ही जायेंगे। वहीं रोशनी ने बताया कि इंग्लिश का पेपर बहुत ज्यादा मुश्किल नहीं था। सभी प्रश्न सिलेबस में से आए

थे। थोड़ा सा समय व्याकरण के प्रश्नों के जवाब देने में लगा। बाकी पेपर अच्छा आया था। जिला शिक्षा अधिकारी अजीत सिंह ने बताया कि जिला में परीक्षाओं के सफल संचालन के लिए 79 केंद्र बनाए गए हैं। सभी केंद्रों पर शांतिपूर्ण तरीके से परीक्षा हुई। सभी केंद्रों पर नकल रहित परीक्षा के लिए अधिकारियों और अध्यापकों की ड्यूटी लगाई गई है।

कांग्रेस के 30 साल पुराने कार्यकर्ता ने छोड़ी पार्टी, भाजपा प्रदेशाध्यक्ष से पटका पहनकर थामा भाजपा का दामन

Karnal/Alive News

आजकल यूं तो पूरा देश ही भाजपा मय होता जा रहा है, इसी कड़ी में फरीदाबाद जिले के गांव नंगला निवासी, कांग्रेस पार्टी के करीब 30 साल पुराने कार्यकर्ता एवं मॉडर्न के डी स्कूल के चेयरमैन मास्टर त्रिलोक चंद तंवर ने वीरवार को एनआईटी विधानसभा के विधायक सतीश ?गना, भाजपा जिलाध्यक्ष राजकुमार वोहरा की अगुवाई में हरियाणा भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष मोहन लाल बडौली के हाथों से माला और पटका पहनकर भाजपा में शामिल हो गये।

उन्होंने एनआईटी विधानसभा के पांच वार्डो के रोड शो के दौरान भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष मोहन लाल बडौली से मुलाकात की और पार्टी में शामिल हो गये। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बडौली एनआईटी विधानसभा के पांच वार्डो में रोड शो कर पार्टी उम्मीदवारों के लिए वोट मांग रहे थे और उनका प्रचार रथ मॉडर्न के डी स्कूल के सामने पहुंचा था। सदस्यता के बाद उन्होंने रोड शो में भी भाग लिया।

मास्टर त्रिलोक चंद तंवर ने बताया कि वह प्रदेश के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के जनता के लिए काम करने के नायब तरीके से प्रभावित होकर और भाजपा की जनहितैषी नीतियों से खुश होकर पार्टी में शामिल हुए है। आपको बता दें कि मास्टर त्रिलोक चंद तंवर ने उस समय कांग्रेस को झटका दिया है जब प्रदेश में निकाय चुनाव चल रहें हैं। निकाय चुनाव के समय प्रमुख विपक्षी दल कांग्रेस के नेताओं और कार्यकर्ताओ का पार्टी को छोड़कर जाना कांग्रेस के लिए एक बड़ा झटका है।

मास्टर त्रिलोक चंद तंवर ने कांग्रेस छोड़ने का कारण पार्टी का जिले में बीस वर्ष से संगठन नही होना और कार्यकर्ताओ का सम्मान नही होना बताया। उन्होंने बताया कि कांग्रेस में संगठन के नाम पर प्रदेश अध्यक्ष बनाए भी गए तो वो भी सिर्फ कठपुतली बन कर रहे। किसी भी प्रदेश अध्यक्ष ने संगठन पर कोई ध्यान नहीं दिया।

कांग्रेस के पूर्व विधायक ने नायब सैनी को बताया डमी सीएम

● रामलीला कलाकारों से माफी मांगें सीएम : नीरज शर्मा

Faridabad/Alive News

एनआईटी 86 फरीदाबाद के पूर्व विधायक नीरज शर्मा ने हरियाणा के मुख्यमंत्री पर कटाक्ष करते हुए उनको डमी मुख्यमंत्री बताया। रविवार को सीएम नायब सिंह सैनी ने फरीदाबाद की एनआईटी-86 विधानसभा में भाजपा के प्रत्याशियों के पक्ष में वोट मांगे और रोड शो किया। सीएम ने बयान देते हुए कहा था कि एनआईटी- 86 विधानसभा से पूर्व विधायक नीरज शर्मा ड्रामेबाज है, हर बात को लेकर ड्रामे करते है। इसलिए उनको राजनीति में ना होकर रामलीला में भर्ती हो जाना चाहिए। पूर्व विधायक नीरज शर्मा ने इसपर पलटवार करते हुए नायब सैनी को डमी मुख्यमंत्री बताया। श्री शर्मा का कहना था कि नारी सताये तीन मिटे रावण, कौरव, कंस, ब्राह्मण सताये सब मिटे धन, वैभव और वंश। नीरज शर्मा ने प्रेसवार्ता करके डमी मुख्यमंत्री नायब सैनी को कहा कि ऐसे शब्द बोलकर उन्होने मेरा अपमान नही किया, बल्कि रामलीला का मंचन करने वाले कलाकारों को ड्रामेबाज बताया है। शायद डमी मुख्यमंत्री को पता नही कि जो व्यक्ति रामलीला में हिस्सा लेते है, वह नौ दिन कितना बड़ा त्याग करते है, कैसे ब्रह्मचर्य का पालन करते है। ऐसे कलाकारों से डमी मुख्यमंत्री को माफी मांगनी चाहिए।

मेयर पद की उम्मीदवार प्रवीण बत्रा जोशी के लिए सांसद मनोज तिवारी ने मांगा वोट

■ **भाजपा जो वादा करती है उसे पूरा करता है और हम दूसरों की तरह झूठ और फरेब की राजनीति नहीं करते हैं। भाजपा सिर्फ जनता की सेवा करती है।**

Faridabad/Alive News

सांसद मनोज तिवारी ने बृहस्पतिवार को जिला में 3 जनसभाओं को संबोधित किया। उन्होंने जनता से वोट मांगते हुए भाजपा की मेयर प्रत्याशी प्रवीण बत्रा जोशी को ऐतिहासिक जीत दिलाकर मेयर बनाने की अपील की।

उन्होंने कहा कि विकास का दूसरा नाम भारतीय जनता पार्टी है। समाज के हर वर्ग को मजबूत करने का काम सिर्फ भाजपा ने ही

किया है। भाजपा जो वादा करती है उसे पूरा करता है और हम दूसरों की तरह झूठ और फरेब की राजनीति नहीं करते हैं। भाजपा सिर्फ जनता की सेवा करती है।

तिगांव विधानसभा के पल्ला में आयोजित जनसभा में मनोज तिवारी ने मेयर प्रत्याशी प्रवीण बत्रा जोशी के साथ वार्ड-24 से प्रत्याशी अजय प्रताप भड़ाना, वार्ड-25 से प्रत्याशी सीमा सुमंत व वार्ड-28 से अमित भारद्वाज के लिए भी वोट की अपील की।

जनसभाओं के दौरान मुख्य रूप से मंत्री राजेश नागर, विधायक सतीश फागना, जिला अध्यक्ष राजकुमार वोहरा, मेयर प्रत्याशी प्रवीण बत्रा जोशी, कविंद्र फागना, बिजेंद्र नेहरा, संगीता भाटिया, भगवान सिंह और लाल कुमार सहित अन्य मौजूद रहे।

Printed, Published & Owned By : Tilak Raj and Printed at The M/s AGS Publication, D-67, Sector-6, Noida, U.P. -201301, From 547, Nangla Enclave, Part-1, N.I.T., Faridabad(Hr.), Editor : Tilak Raj, Ph : 0129-4070270, 9891639448